सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 353, नई दिल्ली । शनिवार, 02 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।

03 लाल बहादुर शास्त्री के अनमोल विचार, आदर्श व्यक्ति बनने की देते हैं प्रेरणा
06 हिमाचल में सियासी भूकंप
08 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बेटी से लेकर मिट्टी तक की भी चिंता करते हैं-अर्चना

सड़कों के निर्माण से प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे: नितिन गडकरी

राजमार्ग मंत्री सबसे पहले पुलिस लाइन ग्राउंड आए जहां पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके उपरांत राजमार्ग मंत्री ने जीआईसी ग्राउंड से परियोजनाओं का शिलायन्स किया। राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश का विकास सड़कों और राजमार्गों से ही संभव है। अमेरिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका की समृद्धि का कारण वहां की सड़के हैं।

संजय बाटला

रायबरेली। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रायबरेली के जीआईसी ग्राउंड से आठ परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। जो लगभग 4100 करोड़ की लागत का है। परियोजनाओं में रायबरेली प्रतापगढ़ जौनपुर खंड समानांतर लालगंज आझारा से रानीगंज तक ग्रीन फील्ड बाईपास हाईवे का निर्माण, टांडा रायबरेली खंड का सुदृढ़ीकरण, रायबरेली शहरी क्षेत्र से बांदा खंड का सुदृढ़ीकरण, सलोन, नसीराबाद जायस, जगदीशपुर खंड का निर्माण कार्य, लालगोपालगंज से नवाबगंज तक फोरलेन सड़क का निर्माण, नवाबगंज से मलाक हर हर तक सड़क का निर्माण, लखनऊ रायबरेली खंड में रतापुर व त्रिपुला चौराहे पर दो उपरिगामी सेतु का निर्माण के साथ रायबरेली में फोरलेन रिंग रोड पैकेज टू का निर्माण कार्य शामिल है। राजमार्ग मंत्री सबसे पहले पुलिस लाइन ग्राउंड आए जहां पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके उपरांत राजमार्ग मंत्री ने जीआईसी ग्राउंड से परियोजनाओं का शिलायन्स किया। राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश का विकास सड़कों और राजमार्गों से ही संभव है। अमेरिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका की समृद्धि का कारण वहां की सड़के हैं। कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई देश के प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने कहा था कि भारत के पिछडेपन का कारण उसकी सड़के हैं।

इसको अमल में लेते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू की थी। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़कों के विकास में प्रगति हुई है उन्होंने कहा कि मैंने भारत की सड़कों का अध्ययन किया और पाया कि यदि देश की सड़के सुधर जाए तो देश बहुत जल्दी ही विकसित राष्ट्र बन जाएगा। सड़के अच्छी होने से स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, पानी और आयात निर्यात की सुविधा होती है। जिससे आधारभूत सुविधाओं को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि मैंने राजमार्ग मंत्रालय को बहुत कुछ दिया है मेरा कहना है कि मैंने कुछ नहीं दिया जो आपका था उसी को वापस किया। सड़कों के निर्माण से गांव, गरीब और समाज का कल्याण होगा।

हमारे शहर ही नहीं हमारे गांव भी स्मार्ट बनेंगे: राजमार्ग मंत्री

उन्होंने प्रधानमंत्री के कथनों को दोहराते हुए कहा कि हमारे शहर ही स्मार्ट सिटी ना बने बल्कि गांव भी स्मार्ट गांव बने। उन्होंने कहा कि पहले गांव में रोजगार नहीं था। किसानो को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता था। विद्यालय अच्छे नहीं थे। गांव के किसानों को मजदूरी करने के लिए महानगरों में जाना पड़ता था। अब सड़कों के निर्माण से उनकी आधारभूत आवश्यकताएं पूरी होने लगी है। उनको अपने गांव में ही रोजगार मिलने लगा है। उन्होंने भारत की क्रूड ऑयल निर्भरता के संबंध में बोलते हुए कहा कि अब हमारी चीनी मिलों से एथेनॉल बनाए जाने लगा है जिससे हमारी खाड़ी देशों से क्रूड ऑयल की आत्मनिर्भरता कम हुई है। हम लोग एथेनॉल के माध्यम से स्वयं ही बायो डीजल बनाने लगे हैं। जिससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पंजाब और हरियाणा की पराली से भी ईंधन बनाने का कार्य शुरू किया है। इससे दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या कम होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत भय, भूख और भ्रष्टाचार मुक्त होगा। जिससे कंपनियां हमारे यहां निवेश करेंगी जिससे प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलेगा। जनपद की जनता को सड़कों की सौगात देते हुए उन्होंने रायबरेली से बछरावां, लालगंज और मोहनलालगंज के लिए बाईपास की घोषणा की। इस अवसर पर मंच पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक अतिथि सिंह, प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता, फूलपुर सांसद स्नेह लता पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी के अतिरिक्त पूर्व विधायक भी उपस्थित रहे।

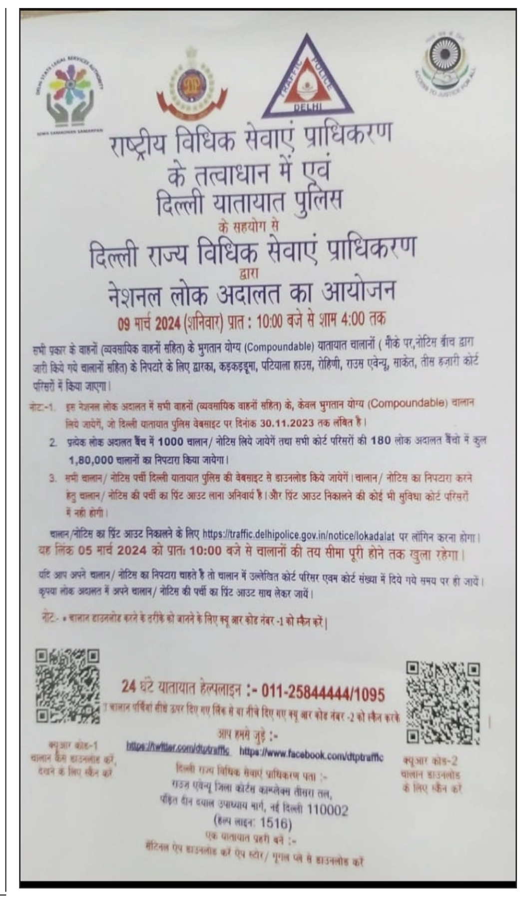

राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण
के तत्वाधान में एवं
दिल्ली यातायात पुलिस
के सहयोग से
दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
द्वारा
नेशनल लोक अदालत का आयोजन
09 मार्च 2024 (शनिवार) प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 तक

सभी प्रकार के वाहनों (व्यवसायिक वाहनों सहित) के भुगतान योग्य (Compoundable) यातायात चालानों (मौके पर, नोटिस बॉक्स द्वारा जारी किये गये चालानों सहित) के निपटारे के लिए द्वारका, कड़कड़डूमा, पटियाला हाउस, रोहिणी, राउस एवेन्यू, साकेत, तीस हज़ारी कोर्ट परिसरों में किया जाएगा।

नोट-1. इस नेशनल लोक अदालत में सभी वाहनों (व्यवसायिक वाहनों सहित) के, केवल भुगतान योग्य (Compoundable) चालान लिये जायेंगे, जो दिल्ली यातायात पुलिस वेबसाइट पर दिनांक 30.11.2023 तक लंबित है।
2. प्रत्येक लोक अदालत बैंच में 1000 चालान/ नोटिस लिये जायेंगे तथा सभी कोर्ट परिसरों की 180 लोक अदालत बैंचो में कुल 1,80,000 चालानों का निपटारा किया जायेगा।
3. सभी चालान/ नोटिस पर्ची दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट से डाउनलोड किये जायेंगें। चालान/ नोटिस का निपटारा करने हेतु चालान/ नोटिस की पर्ची का प्रिंट आउट लाना अनिवार्य है। और प्रिंट आउट निकालने की कोई भी सुविधा कोर्ट परिसरों में नहीं होगी।

चालान/नोटिस का प्रिंट आउट निकालने के लिए https://traffic.delhipolice.gov.in/notice/lokadalat पर लॉगिन करना होगा।
यह लिंक 05 मार्च 2024 को प्रातः 10:00 बजे से चालानों की तय सीमा पूरी होने तक खुला रहेगा।

यदि आप अपने चालान/ नोटिस का निपटारा चाहते है तो चालान में उल्लेखित कोर्ट परिसर एवम कोर्ट संख्या में दिये गये समय पर ही जायें। कृपया लोक अदालत में अपने चालान/ नोटिस की पर्ची का प्रिंट आउट साथ लेकर जायें।

24 घंटे यातायात हेल्पलाइन :- 011-25844444/1095

आप हमसे जुड़े :-
https://twitter.com/dtptraffic https://www.facebook.com/dtptraffic

क्यूआर कोड-1 चालान कैसे डाउनलोड करें, देखने के लिए स्कैन करें
क्यूआर कोड-2 चालान डाउनलोड के लिए स्कैन करें

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण पता :-
राउज एवेन्यू जिला कोर्टस काम्प्लेक्स तीसरा तल,
पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली 110002
(हेल्प लाइन: 1516)

खुशखबरी! कम हुआ ट्रेन का किराया, होली से पहले रेलवे ने यात्रियों को दी बड़ी राहत

कोरोना काल के दौरान 2020 में रेलवे ने सभी पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस ट्रेन बनाकर चलाना शुरू किया था जिसकी वजह से तीन गुना तक किराया बढ़ गया था। हालांकि होली से पहले रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। किराये का पुराना स्लैब लागू होने से अब न्यूनतम किराया 10 रुपये हो गया है। इससे टिकटों की कीमतों में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

पलवल। उत्तर रेलवे ने दैनिक यात्रियों को राहत देते हुए अब पुराने स्लैब का किराया लागू कर दिया गया है। रेलवे के यूटीएस सिस्टम और मोबाइल ऐप पर नया किराया अपडेट कर दिया गया है। इससे टिकटों की कीमतों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। रेलवे के इस फैसले से पलवल और फरीदाबाद के करीब के 40 हजार से ज्यादा रेल यात्रियों को राहत मिलेगी।

न्यूनतम किराया हुआ 10 रुपये

बता दें कि कोरोना काल के दौरान 2020 में रेलवे ने सभी पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस ट्रेन बनाकर चलाना शुरू किया था, जिसकी वजह से तीन गुना तक किराया बढ़ गया था, लेकिन किराये का पुराना स्लैब लागू होने से अब न्यूनतम किराया 10 रुपये हो गया है। अब पलवल से नई दिल्ली तक का किराया 35 रुपये से घट कर 15 रुपये तक हो गया है, जबकि निजामुद्दीन तक का किराया 10 रुपये कर दिया गया है। पैसेंजर ट्रेनों का किराया कम करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। पैसेंजर वेलफेयर एसोसिएशन भी इस बढ़े हुए किराए के खिलाफ आवाज उठा रही थी। उन्हें अनावश्यक रूप से बढ़े हुए किराए का भुगतान करना पड़ रहा था। उन्हें पैसेंजर ट्रेनों के लिए भी एक्सप्रेस ट्रेन के बराबर किराए का भुगतान करना पड़ रहा था। इससे रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों की जेब ढीली हो रही थी।

रेलवे के फैसले से खुश हुए लोग

दैनिक यात्रियों राम किशन शर्मा, मुकेश तंवर, राहुल, मनोज ने कहा कि पैसेंजर ट्रेनों में किराया कम होने से उनको बड़ी राहत मिली है। अभी तक बल्लभगढ़ कि लिए उन्हें 30 रुपये किराया देना पड़ रहा था। अब वो दस रुपये में ही बल्लभगढ़ पहुंच जाएंगे। बामनीखेड़ा निवासी हरीश का कहना है कि वह अपने काम से नई दिल्ली जा रहे हैं। मुझे किराए में कटौती का पता नहीं था। काउंटर पर उसने पचास रुपये दिए और चलने लगा तो काउंटर पर तैनात कर्मचारी ने बुलाकर उसे 35 रुपये वापस कर दिए।

अक्टूबर तक गुरुग्राम और फरीदाबाद को मिलेंगी 200 इलेक्ट्रिक बसें, लाखों लोगों को होगा फायदा

गुरुग्राम और फरीदाबाद में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार के लिए और तेजी से विकसित हो रहे इन शहरों की दीर्घकालिक बदलती गतिशीलता पर आंकलन किया गया।

परिवहन विशेष न्यूज

इस समय 150 बसें गुरुग्राम में और 50 बसें फरीदाबाद में चल रही हैं। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत दोनों शहरों को सौ-सौ इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जा रही हैं। गुरुग्राम मेट्रोपालिटन सिटी बस लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या को पर्याप्त बस सेवा प्रदान करने के लिए वर्ष 2031 तक गुरुग्राम में 1025 और फरीदाबाद में 595 बसों की आवश्यकता होगी।

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और फरीदाबाद फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. श्रीनिवास ने सार्वजनिक परिवहन के व्यापक सुधार के लिए दोनों विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार के लिए और तेजी से विकसित हो रहे इन शहरों की दीर्घकालिक बदलती गतिशीलता पर आंकलन किया गया।

बैठक में गुरुग्राम मेट्रोपालिटन सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुनीश शर्मा, एफएमडीए की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गरिमा मित्तल और दोनों प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि इन महानगरीय शहरों में बस बेड़े का विस्तार, निर्बाध बस सेवाओं की सुविधा के लिए बस डिपो और टर्मिनल जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे का विकास, मेट्रो जैसी अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के साथ एकीकरण, स्मार्ट टिकटिंग समाधान अपनाना आदि प्रमुख विषयों पर ध्यान दिया जा रहा है।

डिपो किया जा रहा है तैयार

वर्तमान में जीएमसीबीएल की 150 बसें गुरुग्राम में और 50 बसें फरीदाबाद में चल रही हैं। पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत दोनों शहरों को सौ-सौ इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जा रही हैं, जिनके इस साल अक्टूबर तक बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग के लिए बस डिपो को ई-फ्रेंडली डिपो में बदलने का प्रविधान भी योजना में शामिल किया जाना है। सेक्टर 10 में जीएमसीबीएल के मौजूदा डिपो को इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन में बदलने का काम चल रहा है।

2031 तक गुरुग्राम में 1025 की होगी जरूरत

मोबिलिटी डिवीजन के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि बढ़ती जनसंख्या को पर्याप्त बस सेवा प्रदान करने के लिए वर्ष 2031 तक गुरुग्राम में 1025 और फरीदाबाद में 595 बसों की आवश्यकता होगी। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि भविष्य में बस सेवाओं की निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए, बस डिपो और टर्मिनल जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे की स्थापना भी की जानी है। दोनों प्राधिकरणों द्वारा भूमि की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण किया जाना चाहिए।

बसों और मेट्रो की होगी कनेक्टिविटी

जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि गुरुग्राम में आगामी मेट्रो कॉरिडोर के साथ सिटी बस सेवाओं की एकीकृत कनेक्टिविटी शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की उपयोगिता को बढ़ाने में सहायक होगी। नए बस मार्गों को जोड़ना और नए बस क्यू शेल्टर को स्थापित करने की योजना शहर में आगामी मेट्रो मार्ग के अनुसार होनी चाहिए जो नागरिकों के लिए अंतिम मील कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्व में सुधार, घाटे को कम करने और बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए टिकटिंग प्रणाली का डिजिटलीकरण जरूरी है।

आर्थिक सर्वेक्षण : दिल्ली में वाहनों की संख्या में मामूली बढ़ोतरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी में वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में वाहनों की संख्या में वर्ष 2022-23 में 0.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 31 मार्च 2023 तक दिल्ली में कुल वाहनों की संख्या 79.45 लाख थी। दिल्ली सरकार ने 10 वर्ष के डीजल और 15 वर्ष के पेट्रोल वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस वजह से दिल्ली में वर्ष 2022-23 तक 62,59,214 वाहनों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया। वर्ष 2022-23 के दौरान प्रति 1000 की आबादी पर वाहनों की संख्या 473 रही, जबकि वर्ष 2021-22 में यह 472 थी।

वाहनों की संख्या की बात करें तो दिल्ली में सात प्रतिशत कारें व जीप, 67 प्रतिशत दोपहिया और 26 प्रतिशत परिवहन सेवा, मालवाहक आदि से संबंधित वाहन हैं।

परिवहन सेवा में किया जा रहा सुधार

परिवहन विभाग ने सभी सार्वजनिक सेवाएं फेसलेस करने की पहल की है। वर्तमान में 47 सेवाएं (12 आरसी, 17 परमिट व फिटनेस, 16 डीएल सेवाएं) फेसलेस हैं। दो अन्य सेवाएं वाहन को बदलने के लिए एलओआई जारी करना और पीएसवी बदलने के लिए प्रमाणपत्र जारी करना। इन दोनों सेवाओं को भी जल्द फेसलेस किया जाएगा।

पंजीकृत वाहन और संख्या

वाहन	संख्या
कार, जीप	20,71,115
दोपहिया	52,94,900
एंबुलेंस	1,172
ऑटो रिक्शा	93,654
टैक्सी	83,278
बसें	17,232
अन्य सवारी वाहन	1,18,506
मालवाहक	2,65,739

जाम के झाम से मिलेगा छुटकारा: इस साल दिल्ली वालों को मिलेगी राहत, इन पांच परियोजनाओं से बड़ी उम्मीद

दिल्ली सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया है कि यातायात को दुरुस्त करने के लिए दिल्ली सरकार की 14 परियोजनाएं थीं, जिनमें से आठ परियोजनाओं को पूरा कर यातायात के लिए खोला जा चुका है जबकि पांच महत्वपूर्ण परियोजनाएं इस वर्ष अंत तक पूरी कर ली जाएंगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी में यातायात जाम से छुटकारा दिलाने के लिए इस वर्ष मार्च से दिसंबर तक प्रमुख रूप निर्माणाधीन पांच परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी। दिल्ली सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया है कि यातायात को दुरुस्त करने के लिए दिल्ली सरकार की 14 परियोजनाएं थीं, जिनमें से आठ परियोजनाओं को पूरा कर यातायात के लिए खोला जा चुका है जबकि पांच महत्वपूर्ण परियोजनाएं इस वर्ष अंत तक पूरी कर ली जाएंगी। साथ ही पांच फुट ओवर अदचीनी गांव स्थित श्री अरबिंदो मार्ग, हौज खास एंक्लेव, पीटीएस बस स्टॉप श्री अरबिंदो मार्ग, तीस हजारी कोर्ट के समीप बुलेवार्ड रोड और गणेश चौक स्थित रोड पर बनाए जाएंगे। इनका निर्माण कार्य इस वर्ष 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।

बारापूला फेज तीन एलिवेटेड कोरिडोर...

दिल्ली के यातायात के लिए यह परियोजना सबसे महत्वपूर्ण परियोजना हैं। इसके तहत पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार से एम्स तक सिग्नल फ्री यातायात किया जाना है। इस परियोजना को पूरा होने में विभिन्न कारणों से कई वर्ष देरी से निर्माणाधीन है। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना पर अब तक 880.11 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। करीब 200 करोड़ से अधिक की लागत और आएगी। अनुमान के अनुसार इसका निर्माण कार्य दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

पंजाबी बाग फ्लाईओवर...

यह परियोजना पंजाबी बाग फ्लाईओवर और राजा गार्डन फ्लाईओवर के बीच एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर का हिस्सा है। इसकी लागत 352 करोड़ से अधिक है। अक्तूबर 2023 तक परियोजना में 174.31 करोड़ खर्च किया गया है। निर्माण कार्य इस वर्ष मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे पश्चिमी दिल्ली के साथ ही बाहरी दिल्ली के वाहन चालकों को जाम से राहत मिलेगी।

आनंद विहार आरओबी से अप्सरा बॉर्डर आरओबी तक फ्लाईओवर का निर्माण...

इस परियोजना के तहत आनंद विहार आरओबी और अप्सरा बॉर्डर आरओबी के बीच रोड नंबर-56 पर करीब 1440 मीटर लंबा और छह लेन का चौड़ा फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान रैंप, फुटपाथ, साइनेज, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज, हॉर्टिकल्चर समेत अन्य कार्य भी किए जाएंगे। इस पर 59.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह परियोजना 31 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी।

गगन सिनेमा जंक्शन पर फ्लाईओवर...

पूर्वी दिल्ली के इस क्षेत्र में रोड साइनेज, इलेक्ट्रिकल वर्क, ड्रेनेज के साथ ही नंद नगरी और गगन सिनेमा जंक्शन पर फ्लाईओवर और मंगल पांडे मार्ग के लोनी चौक पर अंडरपास बनाया जा रहा है। इस पर 341.20 करोड़ रुपये खर्च आएगा। यह परियोजना 31 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा।

हिंडन नहर पर स्लिप रोड ब्रिज का निर्माण...

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर ड्रेन से शमशान घाट, गाजीपुर डेयरी फार्म रोड और दिल्ली में गाजीपुर ड्रेन हिंडन नहर पर स्लिप रोड ब्रिज निर्माण पर 25.43 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अक्तूबर 2023 तक परियोजना पर 24.70 करोड़ खर्च हो चुके हैं। निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

अगर पंचम और नवम में ऐसी ग्रह स्थिति हो तो निश्चित ही जातक को है 'पितृ दोष'

सूर्य आत्मा का कारक है वही वैदिक ज्योतिष में इसे पिता का कारक कहा गया है तो राहु और शनि जब सूर्य को प्रभावित करते है तो 'पितृ दोष' का निर्माण होता है। इस दोष में यह है कि सूर्य राहु से युति होना चाहिए और उस पर शनि की दृष्टि होनी चाहिए। दूसरी ओर अगर शनि सूर्य के साथ हो या राहु उसे देख रहा हो तो भी पितृ दोष' प्रमाण होता है।

अगर पंचम और नवम में ऐसी ग्रह स्थिति हो तो निश्चित ही जातक को 'पितृ दोष' से पीड़ति जाने। दरअसल पंचम भाव पिछले जन्म का भाव है वही नवम भाव उससे पंचम यानी धर्म का भाव होने के कारण ऐसा होता है। दरअसल दक्षिण भारत में कुछ विद्वान नवम भाव से पिता का विचार करते है वही इस भाव से पुत्र के पुत्र का भी विचार होता है इसलिए नवम भाव में यह दोष बने तो ज्यादा परेशानी वाला होगा।

ज्योतिष मतानुसार अगर चन्द्रमा भी शनि राहु से युक्त पीड़ति हो तो जातक को मातामही का दोष लगता है। इसके अलावा अगर सूर्य चंद्र दोनों पीड़ति हो तो बेहद नकारात्मक प्रभाव जातक के ऊपर पड़ता है। हालांकि विज्ञान के अनुसार सूर्य चंद्र सिर्फ अमावस्या को ही एक दूसरे से बेहद करीब होंगे और ऐसे में पंचम नवम में शनि राहु से युति या दृष्टि की शर्त कई सालों में एक बार आएगी।

दरअसल राहु चंद्र को कमजोर करता है वही वायु तत्व शनि उस युति को और खराब कर देता है जिससे जातक जीवन भर मान- सम्मान- सुख- शांति को तरस जाता है और उसे कहीं भी शांति नहीं मिलती है।

हमारी संस्कृति में पितरों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है और जीवित ही नहीं बल्कि मरने के बाद भी हम उनके निमित्त श्राद्ध कर्म करते है। अगर किसी जातक की कुंडली में ऊपर दी गई ग्रह स्थिति बन रही है तो उसे अमावस्या के दिन व पितृ पक्ष के दौरान दोष निवारण के उपाय करने चाहिए।

अगर किसी की कुंडली नहीं है तो भी विद्वानों ने पितृ दोष के कुछ लक्षण कहे है जो इस प्रकार है-:

1 - इस दोष से पीड़ति जातक हर जगह असफलता हासिल करता है भले ही वो अपना स्थान ही क्यों न बदल ले।

2 - ऐसे जातक के घर में कभी शांति नहीं होगी।

विवाह के कई वर्षों के बाद भी संतान नहीं होती है।

3 - ऐसे जातक को कोई ना कोई बीमारी घेरे रहती है। उसे शरीर में हमेशा भारीपन लगता है।

4 - ऐसा जातक घर में कोई मांगलिक काम भी करवाना चाहे तो उसके काम में बाधा आती है।

5 - ऐसे जातक के घर में अच्छी खासी कमाई के बाद भी पुत्रों में झगड़ा लगा रहता है।

6- शादी विवाह योग्य बच्चों के बनते रिश्ते में बात बिगड़ने लगती है। अर्थात विवाह में देरी पैदा होती है।

7- कुंडली के जिस भाव में पितृ दोष बनता है अक्सर वह भाव कुंडली का ज्यादा पीड़ित होता है। जैसे-: यदि पितृ दोष कुंडली के 12वें भाव में बन गया तो फालतू का कर्ज, बीमारियों पर पैसा खर्च- घर में संतानों में व्यसन पैदा होना इत्यादि समस्या उत्पन्न होने लग जाती है।

इस दोष से बचने के कुछ उपाय-:

वैसे तो शास्त्रों में पितृ दोष के काफी उपाय बताए गए हैं कुछ उपाय ऐसे होते हैं जो कुंडली जांचने के बाद ही करने चाहिए, लेकिन कुछ सामान्य उपाय होते हैं जो कोई भी व्यक्ति कर सकता है वह इस प्रकार है-:

1 - हर अमावस्या को देवताओं को भोग लगाकर अपने पितरों के निमित्त अन्न और वस्त्र भेंट करना चाहिए।

2 - सूर्य देव की रोजाना विधिवत पूजा करे और अर्घ्य दें और सूर्य देव के सामने अपने पितरों की शांति की प्रार्थना करें।

3 - साल में एक बार किसी पवित्र नदी के किनारे पितरों के निमित्त गरीबों को भोजन दे।

4- अमावस्या के दिन व पहली रात्रि अर्थात चतुर्दशी के रात्रि में कुछ विशेष नियमों का पालन करें।

5- अमावस्या के दिन भगवत गीता के पाठ करें या सुने। भगवत गीता का सातवां अध्याय करना भी श्रेयस्कर होता है।

6- अमावस्या के दिन विधिपूर्वक पितरों के नियमित गाय को रोटी- गुड़ इत्यादि खिलाएं। उसके बाद ही परिवार के सदस्य भोजन ग्रहण करें।

7- अमावस्या के दिन विधिवत रूप से मंदिर- देवालय- देव वृक्ष आदि की सेवा करें।

जन्म कुंडली में कालसर्प दोष

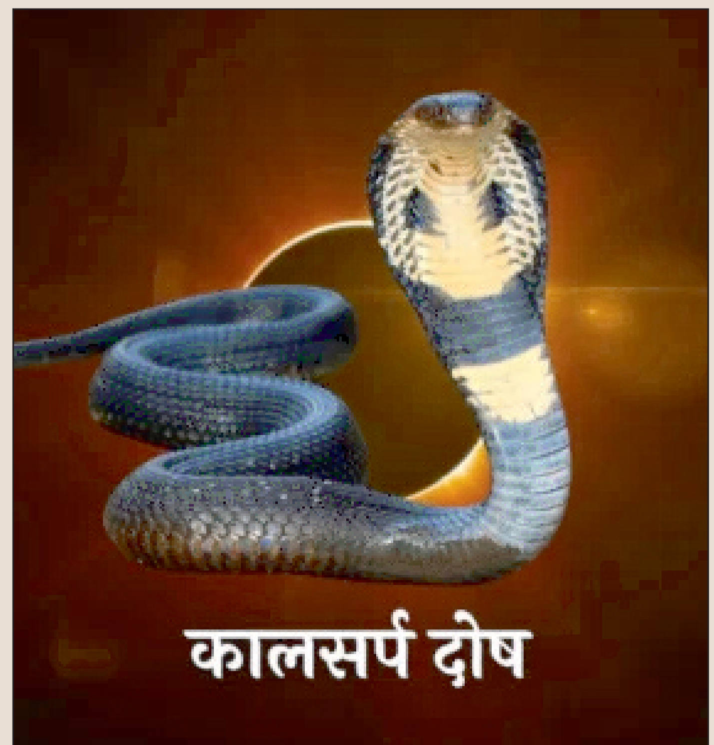

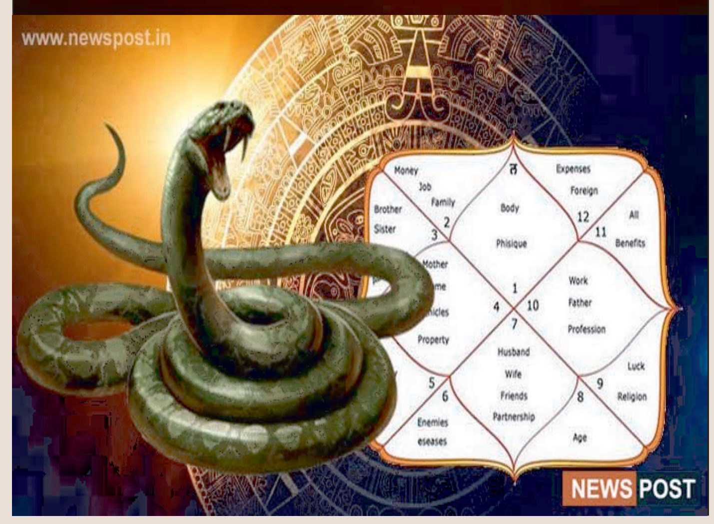

कालसर्प दोष-:

कालसर्प दोष का नाम सुनकर ही लोग परेशान हो जाते हैं, लेकिन यदि आपकी कुंडली में कालसर्प दोष है तो उसे समझने की जरूरत हैं, परेशान होने की नहीं। कुंडली में कालसर्प दोष राहु और केतु के एक साथ आने से होता है. इसके अलावा यदि सभी सात प्रमुख ग्रह राहु और केतु ग्रह की धुरी के भीतर होते हैं तो भी व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष उत्पन्न होता है। जन्म कुंडली में बनने वाला कालसर्प दोष किस भाव में बना हुआ है उससे संबंधित कुछ ज्यादा परेशानियां उत्पन्न करता है।इस दोष की वजह से जीवन में अधिक संघर्ष रहता है बार-बार बनते-बनते काम बिगड़ जाते हैं।

कालसर्प दोष निवारण के कुछ सामान्य उपाय-:

अक्सर हमने देखा है कालसर्प दोष के उपाय के नाम पर लोग काफी बड़ा खर्चा करके पूजा- अनुष्ठान करवाते हैं, लेकिन फिर भी उनके जीवन में कोई बदलाव नहीं आता। क्योंकि एक दिन की बड़ी पूजा करवाने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाए ऐसा बिल्कुल भी संभव नहीं है। जैसे हम पूरे जीवन भर का एक दिन भोजन करके पेट नहीं भर सकते, इस तरह हम एक दिन पूजा करके किसी भी दोष का निवारण नहीं कर सकते हैं। ध्यान रहे जिस तरह से हमें रोज भोजन की जरूरत होती है उसी तरह हमें किसी भी दोष निवारण हेतु प्रतिदिन उपाय करने चाहिए।

कालसर्प दोष के निवारण के लिए शिव भगवान की पूजा उपासना श्रेष्ठ होती है।

कालसर्प दोष के निवारण के लिए सोमवार के दिन यदि पर्वकाल पड़े तो उस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा अनुष्ठान स्वयं के द्वारा ही करने चाहिए।

कालसर्प दोष निवारण के लिए दुर्गा मां की उपासना और श्री हनुमान उपासना भी लाभकारी है।

जन्म कुंडली का विश्लेषण करके अच्छी तरह देखें कि कालसर्प किस भाव में बना हुआ है, यदि कालसर्प दोष ज्यादा परेशानी वाला है, तो किसी महामृत्युंजय जापक से सवा लाख जप भी करवाए जा सकते हैं। और उसका दशांश हवन करना चाहिए।

जन्म कुंडली किस लग्न की है और उसमें भाग्येश ग्रह कौन सा है उसकी स्थिति जरूर देखनी चाहिए और कुंडली में भाग्य भाव के स्वामी व लग्न भाव के स्वामी बलवान करने के उपाय करने चाहिए।

कुंडली विश्लेषण के उपरांत ही सही दिशा में यदि कालसर्प दोष के उपाय किये जाए तो काफी हद तक कालसर्प दोष के दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है।।

मार्च 2024, व्रत- पर्व 2024 मार्च माह के व्रत- त्यौहार

03 मार्च, रविवार-:
श्रीनाथ जी का पाटोत्सव, नाथद्वारा, राजस्थान|

06 मार्च, बुधवार-:
विजया एकादशी (व्रत स्मार्त)|

07 मार्च, गुरुवार-:
विजया एकादशी (व्रत वैष्णव)|

08 मार्च, शुक्रवार-:
महाशिवरात्रि व्रत|
प्रदोष व्रत|

10 मार्च, रविवार-:
देव-पितृ कार्य अमावस्या|

12 मार्च, मंगलवार-:
फुलेरा दोज|

13 मार्च, बुधवार-:
विनायक चतुर्थी|

14 मार्च, गुरुवार-:
मीन संक्रांति|

20 मार्च, बुधवार-:
अमला एकादशी व्रत (स्मार्त व वैष्णव)|

22 मार्च, शुक्रवार-:
प्रदोष व्रत|

24 मार्च, रविवार-:
होलिका दहन|

25 मार्च, सोमवार-:
धूलंडी पर्व|
गणगौर पूजा प्रारंभ|

(12 मार्च से रबाबा खाटू श्याम जीर के 10 दिवसीय लक्खी मेले की शुरुआत)

(25 मार्च को उपच्छया चंद्र ग्रहण रहेगा, जो भारत के बाहर दिखाई देगा।(भारत देश में सूतक मान्य नहीं होगा)

अपने व्यस्त समय से खुद के लिए भी निकालें कामकाजी वुमन्स

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.

इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

हर वक्त छाई रहती है उदासी ? 13 आदतों से जीवन में लाएं हैप्पीनेस, निगेटिव सोच छू भी नहीं पाएगी

जीवन कभी एक समान नहीं चलता है. कभी खुशी तो कभी गम के बादल छाए रहते हैं. इससे सोच और मानसिकता भी काफी हद तक प्रभावित होती है. अगर आप बुरे दौर से गुजर रही हैं और खुशियों के लिए तरस गई हैं तो अपनी आदतों में कुछ बदलाव लाकर देखें. हर हालात में खुद को खुश रख सकेंगी.

स्ट्रेस आज के लाइफस्टाइल का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है. तनाव और संघर्षों के बीच खुद को खुश रखना आसान काम नहीं होता. ऐसे में उदासी और अवसाद की भावनाएं ज्यादातर वर्किंग और हाउस वाइफ्स के जीवन को निराशा से भर देते हैं.

प्रिवेंशन डॉट कॉम के मुताबिक, मैनहट्टन के क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट जूडी हो के अनुसार, खुशी का मतलब यह नहीं है कि हमारे आसपास नकारात्मक भावनाएं ना हों और सकारात्मक भावनाओं की प्रचुरता हो. खुश होने का अर्थ है जीवन जीने और अपने मूल्यों के अनुसार जीने के बारे में सोचना. जब आप जीवन और खुशियों को इस तरह सोचेंगे तो अपने इमोशनल उतार-चढ़ाव का बेहतर तरीके से सामना कर पाएंगे. आइए जानते हैं कि आप अवसाद के दौर में खुद को किस तरह खुश रख सकती हैं.

खुशियों के लिए 13 आदतों को जीवन में करें शामिल

1.आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए कृतज्ञता की भावना रखें और छोटी-छोटी मदद करने पर भी लोगों को धन्यवाद देना शुरू कर दें.

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाएंगे ये फूड

2. सुबह के वक्त सकारात्मक चीजें करें और दिन की शुरुआत स्ट्रेचिंग, व्यायाम, ध्यान, आध्यात्मिक किताबों के साथ करें.

3. अपने लिए जॉय लिस्ट बनाएं और रोज कुछ ऐसा काम करें जिसे करने में आपको बहुत अधिक मजा आता है.

4. मेंटल हेल्थ के लिए इंडॉरफिन हार्मोन का रिलीज होना जरूरी है, इसके लिए आप नियमित रूप से अधिक से अधिक व्यायाम, वॉक, डांस आदि करें.

5. खुद को अधिक से अधिक हाइड्रेट रखने का प्रयास करें जिससे मूड पर निगेटिव बातों का असर कम पड़ता है और आप खुद को बेहतर रख पाते हैं.

2023 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नया स्कूटरः कीमतें आपको चौंका सकती हैं

नए स्कूटर

6. पर्सनल गोल्स बनाएं और उन्हें अचीव करने के लिए प्रयास करें. दरअसल जब आप खुद के लिए कुछ अच्छा करती हैं तो आप अंदर से खुश हो पाती हैं.

7. खुद का चैलेंज देते रहें और अपने बाउंड्री से बाहर आकर कुछ ऐसा काम करें जो अब तक आपने नहीं किया. अचीव करने पर खुद को रिवार्ड भी दें.

8. अपने लाइफ में कुछ मीनिंग फुल काम करें. इसके लिए आप प्लान बनाएं और अपनी क्रिएटिविटी पर भरोसा करें.

9.अगर आपको डिसीजन लेने में समस्या आती है तो पहले खुद को इसके लिए तैयार करें और अपने निर्णय खुद लेना शुरू कर दें.

10. तनाव हर किसी के जीवन का हिस्सा है, ऐसे में खुद को स्ट्रेस के असर से बचाने का जहां तक हो सके, प्रयास करें.

11. गहरी सांस आपको परेशानियों से बचा सकती है. इसलिए गहरी सांस लेने की आदत डालें. इसके अलावा आप दिन में दो बाद प्राणायाम आदि का अभ्यास करें.

12. लोगों से मिलें और अपना दायरा बढ़ाएं. अपने पसंद और हॉबीज वाले लोगों के साथ दोस्ती करें और क्लब आदि ज्वाइन करें.

13. अपनी सेहत को प्रयोरिटी में लें और हेल्दी डाइट मेंटेन करने के लिए हर संभव प्रयास करें. हेल्दी ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर की आदत डालें और समय पर खाना पीना करें.

ये आदतें आपके अवसाद को धीरे धीरे दूर करने लगेंगे और आप अंदर से खुशियां महसूस कर पाएंगे.

2 साल में बढ़ी दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय, खाने-पीने में सबसे आगे; यहां खर्चा कम; पढ़ें

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री आतिशी ने शुक्रवार दिल्ली विधानसभा में दिल्ली का 2023-2024 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। उन्होंने बताया कि दो साल में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 22.77 फीसदी बढ़ी है। बीते साल की तुलना में महज 3.85 फीसदी का इजाफा हुआ।

नई दिल्ली। दिल्ली में हर व्यक्ति की औसत आय बीते दो सालों में 22.77 फीसदी बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में 2023-24 में 376217 से बढ़कर 461910 रुपये हो गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2022-23 में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 4,44,768 रुपये दर्ज की गई। इस लिहाज से साल भर में बढ़ोत्तरी महज 3.85 फीसदी ही रही। दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से ढाई गुना ज्यादा है। इसकी जानकारी आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 से मिली है। वित्त मंत्री आतिशी ने शुक्रवार दिल्ली विधान सभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया।

आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, 2023-24 के दौरान मौजूदा कीमतों पर दिल्ली की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2022-23 की तुलना में 9.17 फीसदी बढ़कर 1107746 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। साल 2022-23 में दिल्ली की जीएसडीपी 1014000 करोड़ रुपये था। वहीं, कोरोना महामारी के दौरान दिल्ली की वास्तविक जीएसडीपी 2021-22 में 8.76 फीसदी और 2022-23 में 7.85 फीसदी की दर से बढ़ी। यह देश के बाकी राज्यों की तुलना में सबसे आगे है। दिल्ली में देश की कुल 1.5 फीसदी जनसंख्या है। जबकि जीएसडीपी भारत की जीडीपी में करीब 3.9 फीसदी का योगदान देती है।

दिल्ली में महंगाई दर देश से आधी

दिल्ली में महंगाई दर राष्ट्रीय औसत की आधी है। दिल्ली की मुद्रास्फीति-महंगाई दर (जनवरी से दिसंबर 2023) में 2.81 फीसदी थी। जबकि राष्ट्रीय महंगाई दर (जनवरी से दिसंबर 2023) में 5.65 फीसदी थी। कोरोना महामारी के दौरान दिल्ली वालों का रोजगार छिन गया था। इसका असर लंबे समय तक दिखा। लेकिन अब इसमें सुधार आया है। साल 2020-21 में दिल्ली की बेरोजगारी दर 6.3 फीसदी थी। वर्ष 2022-23 में यह घटकर 1.9 फीसदी रह गई है।

दिल्ली में बढ़ा कर संग्रह

दिल्ली के कर संग्रह में वर्ष 2022-23 के दौरान 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में दिल्ली ने 3270 करोड़ रुपये का राजस्व अधिशेष दर्ज किया था, जो साल 2022-23 में बढ़कर 14457 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा राजस्व प्राप्तियों पर ब्याज भुगतान का अनुपात 2012-13 में 11.20 फीसदी पर था, जो घटकर 2022-23 में 5.21 फीसदी रह गया है।

100 फीसदी परिवार की मिल रही मुफ्त बिजली की सुविधा

दिल्ली में 100 फीसदी परिवार को मुफ्त बिजली की सुविधा मिल रही है। रिपोर्ट बताती है कि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग ने 3,450 घरों में एक अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि एक वर्ष के दौरान किसी समय करीब 100 फीसदी परिवार को फायदा मिला। 76.1 फीसदी को फ्री पानी, 64.7 फीसदी को सरकार अस्पताल में मुफ्त इलाज, 58 फीसदी बस में फ्री बस सुविधा, 43.7 को निशुल्क शिक्षा मिली। मुफ्त सुविधा से बचे पैसे को 61.6 फीसदी से सभी पैसे खर्च कर दिए। 28.4 फीसदी ने बचत और एफडी में पैसा निवेश किया। 7.2 फीसदी ने भविष्य में खर्च किया और 2.8 फीसदी ने दोस्तों को उधार दिया।

"दिल्ली में 100 फीसदी परिवार को मुफ्त बिजली की सुविधा मिल रही है। रिपोर्ट बताती है कि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग ने 3,450 घरों में एक अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि एक वर्ष के दौरान किसी समय करीब 100 फीसदी परिवार को फायदा मिला। 76.1 फीसदी को फ्री पानी, 64.7 फीसदी को सरकार अस्पताल में मुफ्त इलाज, 58 फीसदी बस में फ्री बस सुविधा, 43.7 को निशुल्क शिक्षा मिली।

खाने-पीने पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं दिल्ली वाले

रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली सरकार की मुफ्त सुविधाओं से परिवार में बचे पैसे को दिल्लीवालों सबसे ज्यादा खाने-पीने पर खर्च करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जिन परिवारों से बचे हुए सभी पैसे खर्च कर दिए। उनमें 50.7 फीसदी परिवार ने खाने-पीने पर खर्च किया, 13.1 फीसदी परिवार से पढ़ाई के लिए, 10.1 फीसदी परिवार से इलाज और दवाओं पर, 7.9 परिवार से कपड़े व अन्य सामान की खरीद पर, 7.3 परिवार ने नए उपकरण पर और 6.7 फीसदी परिवारों ने मनोरंजन पर पैसों को खर्च किया।

आचार संहिता के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई', लोकसभा चुनाव के लिए सियासी दलों को एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली: चुनाव आयोग की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया कि जिन स्टार प्रचारकों या उम्मीदवारों को पहले भी नोटिस जारी किए गए, उन्हें आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों को एक एडवाइजरी जारी की। जिसमें उनसे चुनाव प्रचार के दौरान शिष्टाचार और संयम बनाने रखने व मुद्दों पर आधारित बहस की जरूरत पर जोर दिया गया। आयोग ने यह भी कहा कि जिन स्टार प्रचारकों या उम्मीदवारों को पहले भी नोटिस जारी किए गए, उन्हें आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एडवाइजरी में कहा, सोशल मीडिया पर प्रतिद्वंद्वियों को बदनाम या अपमानित करने वाले या दूसरों की गरिमा को गिराने वाले पोस्ट साझा नहीं किए जाने चाहिए। आयोग ने राजनीतिक दलों को विभाजनकारी बयानबाजी से दूरे रहने के लिए भी कहा। एडवाइजरी में स्टार प्रचारकों और उम्मीदवारों पर विशेष जोर देते हुए उन्हें आदर्श आचार संहिता के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों उल्लंघनों के प्रति आगाह किया गया है। एडवाइजरी में कहा गया, चुनाव आयोग आगामी चुनाव में समय और सामग्री के संबंध में दिए जाने वाले नोटिस पर पुनर्विचार के लिए आचार संहिता के उल्लंघन का आकलन करेगा।

विष्णु गार्डन में बच्चों को मिला नौ कमरों वाला स्मार्ट ग्रीन स्कूल, मेयर ने किया उद्घाटन

मेयर ने कहा, निगम के नए स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। यह आधुनिक स्कूल भवन है। इसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों की तर्ज पर अत्याधुनिक शिक्षण तकनीक, स्मार्ट बोर्ड, खेल के मैदान और खेल उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं।

पश्चिमी दिल्ली। विष्णु गार्डन में बच्चों को नौ कमरों वाला स्मार्ट ग्रीन स्कूल मिला। शुक्रवार को मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने इसका उद्घाटन किया। यह स्कूल नए ड्यूल डेस्क, बड़े क्लास रूम, लाइब्रेरी, स्मार्ट टीवी, रूफ सोलर पैनल, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, वाटर कूलर इत्यादि सुविधाओं से सुसज्जित है। मेयर ने कहा, निगम के नए स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। यह आधुनिक स्कूल भवन है। इसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों की तर्ज पर अत्याधुनिक शिक्षण तकनीक, स्मार्ट बोर्ड, खेल के मैदान और खेल उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने कहा, निगम स्कूल में वर्ल्ड क्लास शिक्षा मॉडल लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हमें निगम स्कूलों को भी दिल्ली सरकार के स्कूलों की तरह विश्व स्तरीय और आधुनिक बनाना है। हमारा प्रयास है निगम के स्कूल निजी स्कूलों को टक्कर दें, जिसके लिए हमें शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाना होगा। इस स्कूल के निर्माण से विष्णु गार्डन के आस पास के क्षेत्र के बच्चों को लाभ होगा और बच्चों के एडमिशन बढ़ेंगे। जल्द ही अन्य जोन में भी नए स्कूलों का उद्घाटन होगा। यह नवनिर्मित स्कूल भूकंपरोधी है, इसमें नौ क्लासरूम, एक बड़ा हॉल व आठ टॉयलेट ब्लॉक बनाए गए हैं। स्कूल की चार मंजिला इमारत को बनाने में करीब 1.84 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

संदेशखाली में हुई महिला हिंसा और अत्याचार के खिलाफ भाजपा ने फूंका मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला

टीएमसी सरकार प.बंगाल में मानवता को कुचल रही - मेवाड़ा

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के साथ हो रही ज्यादती, अत्याचार व हिंसा के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी द्वारा शहर के सूचना केंद्र चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया और जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, विधानसभा संयोजक अनिल जैन की विशिष्ट उपस्थिति में प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पुतले की शवयात्रा निकलकर पुतला फूंका गया।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प.बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने इस अवसर पर कहा कि पश्चिम बंगाल में निरंकुशता अपने चरम है। टीएमसी की विभाजनकारी नीति राज्य के सुनहरे भविष्य को अंधेरे में धकेल रही है। पश्चिम बंगाल का आम जनमानस काफी डरा हुआ है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पश्चिम बंगाल में मानवता को कुचल रही है और तुष्टिकरण के नाम पर मौन साधकर बैठी हुई है। संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा और अत्याचार की घटनाओं की भारतीय जनता पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करती है।

पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान जिला उपाध्यक्ष अविनाश जीनगर, बाबूलाल आचार्य, जिला महामंत्री भगवती प्रसाद जोशी, जिला मंत्री गोपाल तेली, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, सुभाष मंडल अध्यक्ष मनीष पालीवाल, गणेश मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंघीवाल, प्रताप मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू पालीवाल, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र मीणा, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष पूरण डीडवानिया, मुकेश चेचाणी, मनोज बुलानी, मीनाक्षी नाथ, आकाश मालावत, उदय कुमावत, विजय हिंगोरानी, अशोक टहिलानी, गोपाल सोनी, अनिल पूरी, कैलाश सोनी, बृजराज कृष्ण उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण डीडवानिया, पियूष सोनी, राहुल सोनी, रौनक हिंगड़, सीपी जोशी, रेखा पुरी, इंदु बंसल, नेहा नागर, पुरषोत्तम बैरवा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जाने कुछ मुख्य बाते रोजमर्रा से संबंधित...

1. सुबह उठ कर कैसा पानी पीना चाहिए
उत्तर - हल्का गर्म
2. पानी पीने का क्या तरीका होता है
उत्तर - सिप सिप करके व नीचे बैठ कर
3. खाना कितनी बार चबाना चाहिए
उत्तर. - 32 बार
4. पेट भर कर खाना कब खाना चाहिए
उत्तर. - सुबह
5. सुबह का नाश्ता कब तक खा लेना चाहिए
उत्तर. - सूरज निकलने के ढाई घण्टे तक
6. सुबह खाने के साथ क्या पीना चाहिए
उत्तर. - जूस
7. दोपहर को खाने के साथ क्या पीना चाहिए
उत्तर. - लस्सी / छाछ
8. रात को खाने के साथ क्या पीना चाहिए
उत्तर. - दूध
9. खट्टे फल किस समय नही खाने चाहिए
उत्तर. - रात को
10. आईसक्रीम कब खानी चाहिए
उत्तर. - कभी नही
11. फ्रिज़ से निकाली हुई चीज कितनी देर बाद खानी चाहिए
उत्तर. - 1 घण्टे बाद
12. क्या कोल्ड ड्रिंक पीना चाहिए
उत्तर. - नहीं
13. बना हुआ खाना कितनी देर बाद तक खा लेना चाहिए
उत्तर. - 40 मिनट
14. रात को कितना खाना खाना चाहिए
उत्तर. - न के बराबर
15. रात का खाना किस समय कर लेना चाहिए
उत्तर. - सूरज छिपने से पहले
16. पानी खाना खाने से कितने समय पहले पी सकते हैं
उत्तर. - 48 मिनट
17. क्या रात को लस्सी पी सकते हैं
उत्तर. - नही
18. सुबह खाने के बाद क्या करना चाहिए
उत्तर. - काम
19. दोपहर को खाना खाने के बाद क्या करना चाहिए
उत्तर. - आराम
20. रात को खाना खाने के बाद क्या करना चाहिए
उत्तर. - 500 कदम चलना चाहिए
21. खाना खाने के बाद हमेशा क्या करना चाहिए
उत्तर. - वज्रासन
22. खाना खाने के बाद वज्रासन कितनी देर करना चाहिए.
उत्तर. - 5 -10 मिनट
23. सुबह उठ कर आखों मे क्या डालना चाहिए
उत्तर. - मुंह की लार
24. रात को किस समय तक सो जाना चाहिए
उत्तर. - 9 - 10 बजे तक
25. तीन जहर के नाम बताओ
उत्तर.- चीनी , मैदा , सफेद नमक
26. दोपहर को सब्जी मे क्या डाल कर खाना चाहिए
उत्तर. - अजवायन
27. क्या रात को सलाद खानी चाहिए
उत्तर. - नहीं
28. खाना हमेशा कैसे खाना चाहिए
उत्तर. - नीचे बैठकर व खूब चबाकर
29. चाय कब पीनी चाहिए
उत्तर. - कभी नहीं
30. दूध मे क्या डाल कर पीना चाहिए
उत्तर. - हल्दी
31. दूध में हल्दी डालकर क्यों पीनी चाहिए
उत्तर. - कैंसर ना हो इसलिए
32. कौन सी चिकित्सा पद्धति ठीक है
उत्तर. - आयुर्वेद
33. सोने के बर्तन का पानी कब पीना चाहिए
उत्तर. - अक्टूबर से मार्च (सर्दियों मे)
34. ताम्बे के बर्तन का पानी कब पीना चाहिए
उत्तर. - जून से सितम्बर(वर्षा ऋतु)
35. मिट्टी के घड़े का पानी कब पीना चाहिए
उत्तर. - मार्च से जून (गर्मियों में)
36. सुबह का पानी कितना पीना चाहिए
उत्तर. - कम से कम 2 - 3 गिलास
37. सुबह कब उठना चाहिए
उत्तर. - सूरज निकलने से डेढ़ घण्टा पहले।।

सभी सुखी और निरोगी रहे

आचार संहिता के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई', लोकसभा चुनाव के लिए सियासी दलों को एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली : चुनाव आयोग की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया कि जिन स्टार प्रचारकों या उम्मीदवारों को पहले भी नोटिस जारी किए गए, उन्हें आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों को एक एडवाइजरी जारी की। जिसमें उनसे चुनाव प्रचार के दौरान शिष्टाचार और संयम बनाने रखने व मुद्दों पर आधारित बहस की जरूरत पर जोर दिया गया। आयोग ने यह भी कहा कि जिन स्टार प्रचारकों या उम्मीदवारों को पहले भी नोटिस जारी किए गए, उन्हें आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एडवाइजरी में कहा, सोशल मीडिया पर प्रतिद्वंद्वियों को बदनाम या अपमानित करने वाले या दूसरों की गरिमा को गिराने वाले पोस्ट साझा नहीं किए जाने चाहिए। आयोग ने राजनीतिक दलों को विभाजनकारी बयानबाजी से दूरे रहने के लिए भी कहा। एडवाइजरी में स्टार प्रचारकों और उम्मीदवारों पर विशेष जोर देते हुए उन्हें आदर्श आचार संहिता के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों उल्लंघनों के प्रति

वास्तव में महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा अपनी हर योजना का क्रियान्वयन उत्कृष्टता के साथ किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेटी से लेकर मिट्टी तक की भी चिंता करते हैं: अर्चना चिटनिस

परिवहन विशेष न्यूज

बुरहानपुर। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बेटी से लेकर मिट्टी तक की भी चिंता करते हैं। बेटी भी माँ का स्वरूप है और यह मिट्टी भी माँ का स्वरूप है। प्रधानमंत्री बनने के बाद आदरणीय मोदी जी ने सबसे पहले ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' के लिए अभियान चलाया और आज उसी के परिणाम स्वरूप हमारी बेटियों का जन्मोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है और उन्हें अच्छे से पढ़ाया भी जा रहा है। हमारी सरकार ने नित नई योजनाओं को लाकर बेटी के जन्म से लेकर शिक्षा, रोजगार और विवाह के साथ-साथ सशक्तिकरण हेतु कार्य समर्पण भाव से किया है। वास्तव में महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा अपनी हर योजना का क्रियान्वयन उत्कृष्टता के साथ किया है। हम सब आज ऐसे प्रदेश में है जहां बहनों को लाडली का दर्जा देकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाया गया।

यह बात भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने बुरहानपुर के जनपद पंचायत सभागृह में मुख्यमंत्री लाडली बहना एवं लाडली लक्ष्मी योजनांतर्गत राशि अंतरित हेतु आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मा. मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उज्जैन से प्रदेश की लाडली बहनों तथा लाड़ली लक्ष्मी छात्रवृति की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया। बुरहानपुर जिले में लाडली बहनों को 16 करोड़ 46 लाख 81 हजार 250 रुपए तथा लाडली लक्ष्मी छात्रवृत्ति की राशि रुपए 1 करोड़ 45 लाख 66 हजार रुपए का अंतरण किया गया। बुरहानपुर जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सहभागी होकर अपने विचार रखे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने लाइव प्रसारण देखा व सुना।

श्रीमती चिटनिस ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि तू होगी आधार, देश की पार्लियामेंट बन जाने में। तू होगी सुख-सार, देश के उजड़े क्षेत्र बसाने में, तू होगी व्यवहार देश के बिछड़े हृदय मिलाने में। तू होगी अधिकार, देशभर को समृद्धि दिलाने में।

इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन वाली सरकार ने करोड़ों बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का कार्य किया है। मोदी जी के नेतृत्व वाले भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ देने का कार्य कर रही है, पक्की छत का मकान, उज्जवला गैस योजना, आवास योजना, लखपति बहना, लाडली बहना सहित ढेरो योजनाए आपके सामने है। पहले बेटी के जन्म लेने पर परिवार को चिंता होती थी, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व वाले भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद परिदृश्य बदला है, अब परिवार में बेटी के जन्म लेने के बाद उत्साह का माहौल रहता है। मोदी जी के नेतृत्व वाले भारतीय जनता पार्टी की सरकार को तीसरी बार भी आप सभी का भरपूर आशीर्वाद मिलेगा मुझे पूर्ण विश्वास है।

लाल बहादुर शास्त्री के अनमोल विचार, आदर्श व्यक्ति बनने की देते हैं प्रेरणा

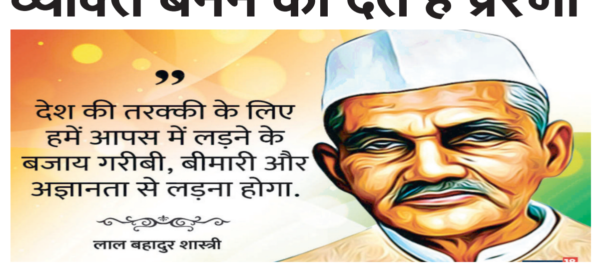

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली: भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि 11 जनवरी को मनाई जाती है। 1966 में उनका निधन हुआ था। शास्त्री जी ने 'जय किसान, जय जवान' का नारा दिया था। यह वही प्रधानमंत्री हैं, जिनके आह्वान पर पूरे देश ने एक वक्त का खाना छोड़ दिया था। भारत की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बनें। इस दौरान लाल बहादुर शास्त्री अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रहे। जब कार्यकाल के दौरान 1964 में जवाहरलाल नेहरू का देहावसान हुआ तो साफ सुथरी छवि के कारण शास्त्रीजी को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाया गया।

9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक वह लगभग 18 महीने भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनका कार्यकाल अद्वितीय रहा। शास्त्री जी का पूरा जीवन ही हर किसी के लिए प्रेरणा है। ईमानदार छवि और सादगी से जीवन जीने वाले शास्त्री जी के विचार आपको भी सही राह पर चलने की सीख दे सकते हैं। लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके अनमोल विचारों को जानें और जीवन में शामिल करें। यदि कोई भी व्यक्ति हमारे देश में अछूत कहा जाता है तो भारत का सिर शर्म से झुक जाएगा। देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाए गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा। कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियादी संरचना बरकरार रहे और हमारा लोकतंत्र भी मजबूत बने। हमारी ताकत और मजबूती के लिए सबसे जरूरी काम है, लोगों में एकता स्थापित करना। हम खुद के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की शांति, विकास और कल्याण में विश्वास रखते हैं।

फ़रीदाबाद में बढ़ती यातायात समस्याओं और सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करते हुए, प्रत्येक जीवन मायने रखता है...

प्रिय यातायात एवं प्रशासन विभाग,

हम अपने शहर में यातायात प्रबंधन और प्रवर्तन की वर्तमान स्थिति के संबंध में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रहे हैं। यह हमारे ध्यान में आया है कि हमारी सड़कों पर प्रवर्तन की भारी कमी है, जिसके कारण सड़क पर हिंसा की घटनाएं, दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं और अंततः, लोगों की जान चली जाती है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान होता है।

विशेष चिंता का विषय किशोरों और स्कूली बच्चों की बढ़ती संख्या है जो उचित पर्यवेक्षण या यातायात कानूनों के पालन के बिना गाड़ी चला रहे हैं। यह लापरवाह व्यवहार, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की कमी के साथ मिलकर, सड़क पर हर किसी के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है।

हमने हाल ही में फ़रीदाबाद में एक और दुखद घटना देखी, जहाँ एक और जोड़े ने सड़क दुर्घटना के कारण अपने बेटों को खो दिया है। यह हृदयविदारक क्षति कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता की स्पष्ट याद दिलाती है।

हम यातायात और प्रशासन विभाग से इस मुद्दे को प्राथमिकता देने और प्रवर्तन बढ़ाने के लिए तत्काल कदम उठाने, यातायात उल्लंघनों के लिए सख्त दंड लागू करने और सुरक्षित ड्राइविंग आदतों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा और जागरूकता अभियानों में सुधार करने का आग्रह करते हैं।

हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और यह जरूरी है कि आगे की त्रासदियों को रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जाए।

अपील - आइएं मिलकर एक कदम भलाई की ओर हम भी बड़ाएं : राष्ट्रवादी चिंतक राजेश खुराना

प्राप्त जानकारी के अनुसार यूरोप और अमेरिका में कई शहरों में आजकल आम तौर पर एक दृश्य देखा जाता है कि एक रेस्तरां है। उसके कैश काउंटर पर एक लोग आते हैं और कहते हैं कि - 5 कॉफ़ी, 1 ससपेंशन फिर वह पांच कॉफी के पैसे दे देते है और चार कप कॉफी ले जाते है।

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। भारतवर्ष सच्ची मानवता के मसीहाओं और दानवीरों की भूमि रही हैं, सनातन सभ्यता में तो ऐसा सदियों से होता आया है। भारत में सदैव लाचार, गरीब, जरुरतमंदों और बेसहारा की हमेशा मदद की जाती है और अलग-अलग खाने का प्रबंध किए जाते हैं। आज़ हमारी इन्ही शानदार परम्परा को यूरोप और अमेरिका में अपनाया जा रहा हैं। अंग्रेज हमारी सनातन संस्कृती की अच्छी सोच को सीखकर वहां के बहुत से हॉटेल और रेस्टोरेंट वाले ग़रीब जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाकर सराहनीय कार्य कर रहें हैं।

इस सन्दर्भ में राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक एवं वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने बताया कि ये हम सभी भारतीयों के लिए बहुत ही गर्व की बात हैं कि हमारी सदियों पुरानी सनातन सभ्यता को विदेशों में अपनाया जा रहा हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार यूरोप और अमेरिका में कई शहरों में आजकल आम तौर पर एक दृश्य देखा जाता है कि एक रेस्तरां है। उसके कैश काउंटर पर एक लोग आते हैं और कहते हैं कि - 5 कॉफ़ी, 1 ससपेंशन फिर वह पांच कॉफी के पैसे दे देते है और चार कप कॉफी ले जाते है। थोड़ी देर बाद, एक और आदमी आता है और कहता है कि 4 लंच 2 ससपेंशन वह चार लंच का भुगतान करता है और दो लंच पैकेट्स ले जाता है। फिर एक और आता है आर्डर देता है 10 कॉफ़ी, 6 ससपेंशन वह दस के लिए भुगतान करता है, चार कॉफी ले जाता है। फिर थोड़ी देर बाद एक बुजुर्ग व्यक्ति जर्जर कपड़ों में काउंटर पर आकर पूछता है- एनी ससपेंडेड कॉफ़ी ? काउंटर पर मौजूद व्यक्ति उनसे कहता हैं हाँ, और एक कप गर्म कॉफी उसको दे देती है। कुछ देर बाद वैसे ही एक और दाढ़ी वाला बुजुर्ग आदमी अंदर आता है और पूछता है कि एनी ससपेंडेड लंच ? तो काउंटर पर मौजूद व्यक्ति गर्म खाने का एक पार्सल और पानी की एक बोतल उस बुजुर्ग आदमी को दे देता है और यह क्रम अधिक पेमेंट करने बाले और बिना पेमेंट खान-पान ले जाने बुजुर्ग जरूरतमंदों लोगों का दिन भर चलता रहता है। यानी अपनी पहचान न कराते हुए और किसी के चेहरे को जाने बिना भी अज्ञात गरीबों, जरुरतमन्दों की मदद करना विदेशी नागरिकों की कल्चर बन गया हैं और यह कल्चर अब यूरोप के अन्य कई देशों में आजकल बहुत तेजी से फैल रहा हैं। लेकिन हमारे भारत में यूरोप से भी पहले से यह परंपरा चल रही है। ये अलग बात है की हम आप अपने देश में नहीं देख पाये, यूरोप वाले हमारे देश से ही सीखकर इसको आगे बढ़ा रहे हैं। ये हमारी सनातन संस्कृती हैं। यह बहुत अच्छी परंपरा है कि जाहिर किये बगैर किसी भूखे को खाना खिला देना बहुत ही सुन्दर पद्धति का अति उत्तम विधान है। इसे एक अच्छी सोच के साथ यहां भी शुरू करनी चाहिए। अच्छे विचार का स्वागत होना चाहिए। इसमें एक बात अच्छी लगी कि लोग मदद करने के बदले अपने नाम का प्रचार नहीं चाहते हैं। यही भावना अपने देशवासियों में भी होनी चाहिए मदद करने का तरीका कुछ भी हो, भिक्षा न देकर ऐसे भी भलाई का काम किया जा सकता है। हमारी परंपरा है कि भोजन पानी बांट कर ही लें, अकेले करना अशोभनीय है। जब भुखा प्यासा मिले फिर उसे देना जरूरी है।

श्री खुराना ने आगे कहा कि क्या भारत में भी इस प्रकार की खान-पान की ₹ससपेंशन₹ जैसी प्रथा का प्रारंभ हो सकता है ? क्योंकि हमारी सनातन संस्कृती से संस्कार ही ऐसे होते हैं। यही सत्य है, सनातन, संस्कृति और धर्म है और यह असली सनातन धर्म और संस्कृति हैं। दान का महत्व ही है कि जब एक हाथ दे तो दूसरे हाथ को पता भी न चले। यह अच्छी पहल कहीं भी हो अपनाना चाहिए। भंडारे हो या लंगर नाम सिर्फ भाषा के कारण अलग हो सकते हैं। मानवता की सेवा सर्वोपरि है। इसीलिए यहां प्रीतिदिन अलग - अलग तरीके से गरीबों और असहायों की मदद की जाती है। ये हमारी सभ्यता की बहुत अच्छी सोच है। दान वही सही है जिसमें एक हाथ से करे और दूसरे हाथ को पता भी ना चले।

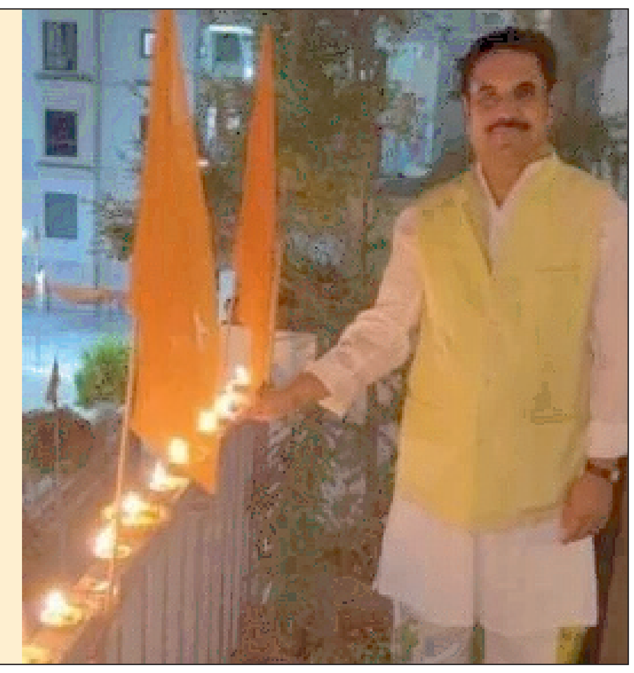

श्री खुराना ने आगे कहा कि क्या भारत में भी इस प्रकार की खान-पान की ₹ससपेंशन₹ जैसी प्रथा का प्रारंभ हो सकता है ? क्योंकि हमारी सनातन संस्कृती से संस्कार ही ऐसे होते हैं। यही सत्य है, सनातन, संस्कृति और धर्म है और यह असली सनातन धर्म और संस्कृति हैं। दान का महत्व ही है कि जब एक हाथ दे तो दूसरे हाथ को पता भी न चले। यह अच्छी पहल कहीं भी हो अपनाना चाहिए। भंडारे हो या लंगर नाम सिर्फ भाषा के कारण अलग हो सकते हैं। मानवता की सेवा सर्वोपरि है। इसीलिए यहां प्रीतिदिन अलग - अलग तरीके से गरीबों और असहायों की मदद की जाती है। ये हमारी सभ्यता की बहुत अच्छी सोच है। दान वही सही है जिसमें एक हाथ से करे और दूसरे हाथ को पता भी ना चले। भारत के अंदर भी ऐसे कई परंपराएं हैं जो गरीबों को भोजन करने की शादी विवाह में एक दूसरे की मदद करना। यह हमारे सनातन धर्म की परंपरा रही है और आगे भी यही परंपरा रहनी चाहिए। आज भी हमारे देश में कई स्थानों पर बिना किसी को बताए सद्कर्म कर रहे हैं। भारत में पहले भी थी ये प्रथा और अब भी है। इसे गुप्तदान कहा जाता ही है। बस ये विदेशों ₹ससपेंशन₹ नाम से बताया जाता हैं और भारत में छुपाया जाता है। भारत में जो है वो पूरी दुनियां में नहीं है। सनातन सभ्यता में प्रसाद, लंगर, भंडारा और दान पुण्य हर जगह हैं। इसीलिए पूरी दुनियां के लोग आज़ सनातन सभ्यता अपना रहें हैं। क्योकि भारत में हर जीव को खिलाया जाता है। आलसी पुंण्य मुश्किल होता है, परन्तु इसे करने में बड़ा सुकून मिलता है। भारत तो सदियों से लंगर चलाकर लोगों को मेहमान बनाकर भोजन कराता है। भारत मे भी गुप्त दान की परम्परा रही है, हमारी विदेशों में अपनायी यह व्यव्स्था तत्काल लाभ देता है। प्रथा के पीछे संस्कार होते हैं। संस्कार संस्कृती से जनम लेते हैं और हमारी संस्कृती सनातन है। दान करने कैसे बेहतर कोई तरीका हो ही नहीं सकता। हमारी परंपरा है कि भोजन पानी बांट कर ही लें, अकेले करना अशोभनीय है। जब भुखा प्यासा मिले फिर उसे देना जरूरी है। यह बहुत अच्छी सोच है, भारत में भी ऐसा हो जाए तो कोई गरीब भूखा नहीं सोएगा। आइए हम सब मिलकर शुरुआत करे।

गाजियाबाद में 24 घंटे में आवारा कुत्तों ने जमकर मचाया आतंक, 48 बच्चों समेत 222 लोगों को काटा

परिवहन विशेष न्यूज

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। शुक्रवार को 24 घंटे में आवारा कुत्तों ने 48 बच्चों समेत 222 लोगों को काटा है। जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 83 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इसके अलावा 63 लोगों ने एआरवी की दूसरी और 36 लोगों ने तीसरी डोज लगवाई है।

गाजियाबाद। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। शुक्रवार को 24 घंटे में आवारा कुत्तों ने 48 बच्चों समेत 222 लोगों को काटा है। जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 83 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इसके अलावा 63 लोगों ने एआरवी की दूसरी और 36 लोगों ने तीसरी डोज लगवाई है। पूरे जिले में 307 लोगों ने एआरवी की दूसरी व तीसरी डोज लगवाई है।

सीएमएस डॉ. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने वालों में अधिकांश लोग विजयनगर, बजरिया, करहैडा, मेरठ रोड़, अर्थला, क्रासिंग रिपब्लिक, लालकुआं, पटेलनगर, बागू, मवई, और मिर्जापुर के शामिल हैं। इनमें बच्चों की संख्या 34 रही। सात लोगों को देर शाम को इमरजेंसी में भी वैक्सीन लगवाई गई है। अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने वाले लोगों के लिए उप स्वास्थ्य केंद्रों पर भी इंतजाम किया जा रहा है।

शुक्रवार को गाजियाबाद में कहां कितने लोगों ने लगवाई एआरवी

अस्पताल	नये	पुराने
जिला एमएमजी अस्पताल	83	99
संयुक्त अस्पताल	45	87
सीएचसी डासना	11	37
सीएचसी मुरादनगर	18	24
सीएचसी लोनी	17	08
सीएचसी भोजपुर	15	18
संयुक्त अस्पताल लोनी	13	07
सीएचसी मोदीनगर	20	27

ग्रेटर नोएडा में प्राधिकरण का बिल्डरों को बड़ा ऑफर, 25 प्रतिशत राशि के भुगतान से मिलेगा दोहरा फायदा

बिल्डर परियोजनाओं की बाधा को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार ने पिछले दिनों अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू करने की स्वीकृति दी थी। बिल्डरों से कहा गया है कि अगर उन्हें अमिताभ कांत समिति का लाभ लेना है तो सिफारिशों के अनुसार बकाया राशि का 25 प्रतिशत का प्राधिकरण को पहले भुगतान करना होगा शेष राशि किस्तों में देने का विकल्प मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने बिल्डरों को ऑफर दिया है। अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों का लाभ लेने के लिए उन्हें प्राधिकरण को बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान करना होगा। प्राधिकरण इस धनराशि से प्रभावित किसानों को 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा वितरण कर बिल्डरों को आवंटित जमीन पर कब्जा का रास्ता साफ करेगा।

बिल्डर परियोजनाओं को मिल सकती है गति

प्राधिकरण के इस ऑफर से रुकी हुई बिल्डर परियोजनाओं को गति मिल सकती है। प्राधिकरण चेयरमैन अनिल सागर के साथ बृहस्पतिवार को यीडा कार्यालय में हुई बैठक में बिल्डरों को बकाया राशि की जानकारी दी गई। यमुना प्राधिकरण ने नौ बिल्डर परियोजनाओं के लिए जमीन आवंटित कर रखी है। चार बिल्डर परियोजनाएं नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल में हैं। नौ बिल्डर पर प्राधिकरण का तकरीबन 4700 करोड़ रुपये बकाया है।

इन बिल्डर परियोजनाओं में दस हजार फ्लैट खरीदार हैं, जिन्हें अपनी घर का इंतजार है। परियोजना पूरी न होने के कारण उन्हें फ्लैट पर कब्जा नहीं मिल सका है, जबकि खरीदार फ्लैट की लागत का लगभग पूरा भुगतान कर चुके हैं। परियोजनाएं अधूरी होने के कारण प्राधिकरण के शहर में बसावट भी रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है।

अमिताभ कांत समिति की सिफारिशें लागू

बिल्डर परियोजनाओं की बाधा को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार ने पिछले दिनों अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों को लागू करने की स्वीकृति दी थी। यमुना प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में इन सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। बिल्डरों को इन सिफारिशों का लाभ देने के लिए चेयरमैन अनिल सागर ने उनके साथ बैठक की।

बिल्डरों को सिफारिश के अनुसार गणना कर उनकी बकाया राशि की जानकारी दी गई। बिल्डरों से कहा गया है कि अगर उन्हें अमिताभ कांत समिति का लाभ लेना है तो सिफारिशों के अनुसार बकाया राशि का 25 प्रतिशत का प्राधिकरण को पहले भुगतान करना होगा, शेष राशि किस्तों में देने का विकल्प मिलेगा। बिल्डरों की ओर से कहा गया है कि प्राधिकरण उन्हें आवंटित भूखंड के पूरे हिस्से पर कब्जा नहीं दे पाया है।

इस वजह से भी परियोजना का काम रुका हुआ है। प्राधिकरण ने किसानों की अतिरिक्त मुआवजा राशि का भुगतान न होने के कारण जमीन पर कब्जा मिलने की बाधा को कारण बताया। प्राधिकरण ने कहा कि अगर बिल्डर 25 प्रतिशत का भुगतान करते हैं तो प्राधिकरण उन्हें अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों का लाभ देने के साथ ही किसानों को अतिरिक्त मुआवजा वितरण कर पूरे भूखंड पर कब्जा दे देगा। बैठक में सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह, ओएसडी शैलेंद्र भाटिया समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे।

बिल्डरों को मिलेगा 981 करोड़ का फायदा

अमिताभ कांत की सिफारिशों से यमुना प्राधिकरण के नौ बिल्डरों को करोड़ों का फायदा होगा। उन पर तकरीबन 981 करोड़ रुपये का बोझ कम हो जाएगा। बकाया भुगतान में आसानी होगी। बिल्डर बकाया राशि का 25 प्रतिशत का भुगतान कर अपनी परियोजना के रुके काम को शुरू कर सकेंगे। इससे बिल्डर परियोजना में फंसे दस हजार खरीदारों को फ्लैट पर कब्जा जल्द मिल सकेगा।

राहुल की यात्रा ने जबसे कदम आगे बढ़ाये हैं तबसे उनकी पार्टी पीछे जा रही है

उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में 'वापस जाओ' नारे के साथ राहुल गांधी का स्वागत हुआ, यूपी में उनकी यात्रा में भीड़ नहीं जुटी सो अलग। ऊपर से राहुल गांधी के एक के बाद एक विवादित बयानों के कारण कॉन्ग्रेस को लेकर नकारात्मक माहौल ही बना।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। बीती 4 जनवरी से पूर्वोत्तर के मणिपुर से शुरू हुई ये यात्रा महाराष्ट्र में जाकर खत्म होगी। यात्रा को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस में भले ही उत्साह हो, लेकिन आम जनमानस में यात्रा को लेकर कोई उत्साह नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के उद्देश्य को लेकर घोषणा कुछ भी की हो, लेकिन निश्चित तौर पर इस यात्रा का मकसद उन्हें राजनीतिक तौर पर स्थापित करना है। जहां तक नफरत का माहौल दूर करने की बात है, तो कांग्रेस या किसी भी राजनीतिक दल का परम उद्देश्य यही होना चाहिए। ये देश का मूल मुद्दा है, स्वस्थ समाज के लिए ये जरूरी है कि उसमें किसी भी तरह की नफरत, वैमनस्य, छुआछूत या घृणा ना हो। लेकिन राहुल गांधी यात्रा के दौरान ऐसी बयानबाजी कर देते हैं जो उनकी मोहब्बत की दुकान की नीति और नीयत को संदेह के कटघरे में खड़ा कर देता है। जहां तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को जोड़ने का सवाल है तो कांग्रेस पार्टी या राहुल गांधी अभी तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को एकजुट करने में बहुत कामयाब नहीं हुए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ-साथ कांग्रेस से बाहर निकलने वालों की बाढ़ आ गई है, खासकर दूसरी पीढ़ी के नेताओं की। 14 जनवरी को, जिस दिन यात्रा इंफाल से शुरू हुई, पूर्व करीबी सहयोगी मिलिंद देवड़ा शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट में चले गए। 25 जनवरी को यात्रा के असम से रवाना होने के बाद समर्थन बढ़ने की बजाय, दो महिला नेता- असम में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की महासचिव बिस्मिता गोगोई और राज्य युवा कांग्रेस की पूर्व प्रमुख अंगकिता दत्ता भाजपा में चली गईं। गोगोई पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जिबकांत गोगोई की बहू हैं और दत्ता असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अंजन दत्ता की बेटी हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में षामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने को बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दो बार खुद लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन चुके अशोक चव्हाण को राज्य के मराठवाडा क्षेत्र का बड़ा नेता माना जाता था। वहीं असम में कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजा गोस्वामी ने भी बीते दिनों पार्टी को अलविदा कह दिया है।

कांग्रेस के सामने पार्टी से छिटक रहे नेताओं को रोकने के अलावा इंडिया गठबंधन से अलग हो रहे राजनीतिक दलों को रोकने की भी चुनौती है। दरअसल लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के इंडी अलायंस गठबंधन को सबसे बड़ा झटका नीतीश कुमार ने दिया है। जेडीयू ने बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के टूटने के लिए कांग्रेस की हठ और अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। जेडीयू ने कहा कि कांग्रेस नेता अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगे थे, विपक्षी गठबंधन को नहीं। पश्चिम बंगाल में राहुल गांधी के पहुंचते ही तृणमूल कांग्रेस से गठबंधन टूट गया। बिहार में महागठबंधन की एक बड़ी रैली प्रस्तावित थी, लेकिन यहां राहुल गांधी के पहुंचने से पहले ही नीतीश कुमार की जदयू ने पाला बदल लिया और भाजपा के साथ मिल कर सरकार बना ली। राजद विपक्ष में आ गई।

उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में 'वापस जाओ' नारे के साथ राहुल गांधी का स्वागत हुआ, यूपी में उनकी यात्रा में भीड़ नहीं जुटी सो अलग। ऊपर से राहुल गांधी के एक के बाद एक विवादित बयानों के कारण कॉन्ग्रेस को लेकर नकारात्मक माहौल ही बना। उन्होंने अभिनेत्री ऐश्वर्या राय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। साथ ही काशी के युवकों को शराबी व नशेड़ी बता दिया। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी की नजदीकी एनडीए से बढ़ गई है। बीते कई दिनों से उनके बीजेपी के साथ जाने की अटकलें थीं। चौधरी चरण सिंह को केंद्र सरकार की ओर से भारत रत्न की घोषणा के बाद से ये तय माना जा रहा था कि जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ देंगे और एनडीए के साथ चले जाएंगे। जयंत चौधरी आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के साथ खड़े दिखाई देंगे। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका देते हुए अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के सामने कांग्रेस ने घुटने टेककर किसी तरह गठबंधन किया। ऐसे में न्याय यात्रा आगे पाट, पीछे सपाट की उक्ति को चरितार्थ कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि 2019 के बाद से भले ही कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही थी, लेकिन पिछले साल मई में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी को कर्नाटक में हराकर उसने वापसी की उम्मीद जगाई थी। बीजेपी का विरोध करने वाली पार्टियां, भले ही वो कांग्रेस के मजबूत होने से सहमत नहीं थीं, लेकिन उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसी से इंडी अलायंसा बना। लेकिन कांग्रेस को लगा कि अगर वो छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जीत लेती है तो उसे और भी फायदा होगा। राजस्थान में हार के बावजूद भी अच्छी स्थिति रहने से कांग्रेस वापस आ गई का नारा और मजबूत होता और इसका इस्तेमाल सहयोगी दलों पर दबाव बनाने और अपनी कमजोरियों को दूर करने में मदद मिलती। लेकिन ये सोच गलत साबित हुई और कांग्रेस को एक सुनहरा मौका हाथ से निकल गया। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से 2019 में इस्तीफा दिया था। जबकि उनकी पार्टी को 543 सदस्यीय लोकसभा में महज 52 सीटें हासिल हुई थीं, जबकि बीजेपी को 303 सीटों पर जीत मिली थी।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के साथ सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के बीच सीटों के बंटवारे पर गतिरोध नजर आ रहा। इंडिया गठबंधन में शामिल सीपीआई-एम ने केरल की चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सीपीआई ने पार्टी महासचिव डी राजा की पत्नी और वरिष्ठ सीपीआई नेता एनी राजा को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। वर्तमान में राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं। हालांकि, इंडिया गठबंधन की तरफ से अभी केरल में सीटों की शेयरिंग को लेकर अभी कोई समझौता सामने नहीं आया है। यही वजह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी और दिल्ली, हरियाणा, गुजरात में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने के बावजूद, कांग्रेस आलाकमान की चुनौतियां कम होती नजर नहीं आ रहीं।

भाजपा लोकसभा चुनाव के रण में उतरने को पूरी तरह से तैयार है। भाजपा ने इस बार 400 से ज्यादा का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश उच्च स्तर पर है। वास्तव में, बड़ी चुनौती लीडरशिप को लेकर ही है। यह भाजपा के अभियान से बनी छवि की लड़ाई भर नहीं है। क्या राहुल गांधी स्वयं को सक्षम नेता के तौर पर साबित कर पाएंगे ? क्या वे स्वयं को नए सिरे से तैयार कर पाएंगे ? अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से राहुल गांधी या कांग्रेस को राजनीतिक रूप से कितना फायदा होगा। लेकिन यदि कांग्रेस अब अपने दम पर सौ लोकसभा सीट जीतने की स्थिति में भी पहुंच जाती है तो वो निश्चित रूप से विपक्ष का बड़ा चेहरा होंगे। फिलहाल यात्रा को लेकर जो खबरें आ रही हैं कि गठबंधन का बिखरता कुनबा और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर यात्रा को तय समय से पहले ही समेटने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

मर्सिडीज सिटी: क्रोएशिया के इस शहर में हर तीसरा इंसान है मर्सिडीज का मालिक, पढ़िए दिलचस्प कहानी

क्रोएशिया में एक ऐसा भी शहर है जहां 3 में लगभग 2 लोगों के पास मर्सडीज की कार है। 25 हजार की आबादी वाले इस शहर में 8 हजार लोग मर्सिडीज कार के मालिक हैं। यही कारण है कि इमोट्स्की को Mercedes City के नाम से जाना जाता है। क्रोएशिया के इमोट्स्की का Mercedes City नाम पड़ने की काफी दिलचस्प कहानी है।

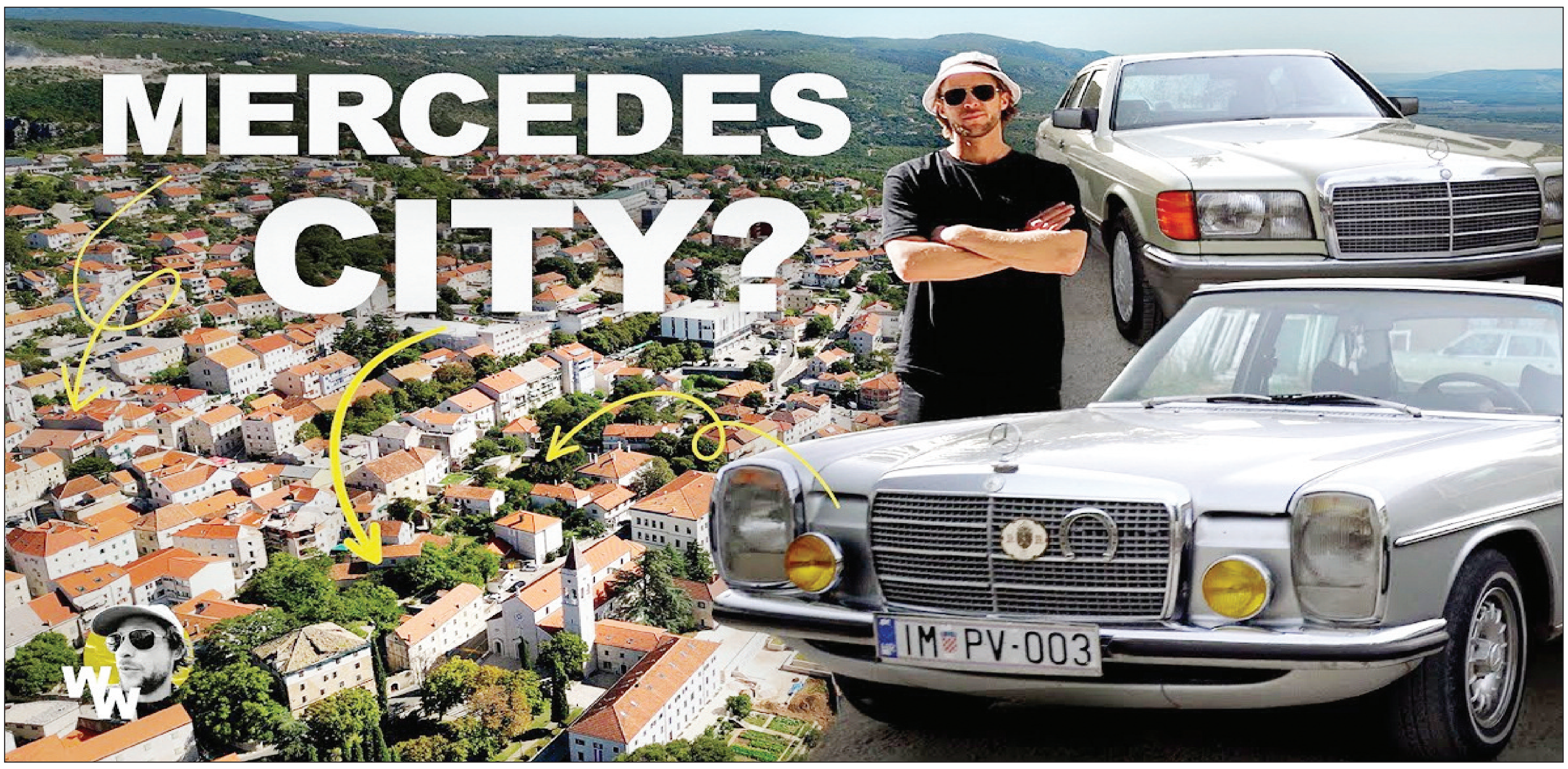

नई दिल्ली। दुनिया भर में Mercedes का अलग क्रेज है। कई लोगों का सपना है कि वे एक बार इस जर्मन कंपनी की कार खरीदें। मर्सडीज के पास करोड़ो की कीमत वाली लग्जरी कारें हैं, जिन्हे भारत में भी सेल किया जाता है। अपने इस लेख में हम आपके लिए इससे जुड़ा एक बेहतरीन किस्सा लेकर आए हैं, जो भारत का नहीं लेकिन काफी दिलचस्प है।

दरअसल, क्रोएशिया में एक ऐसा शहर है जहां 3 में लगभग 2 लोगों के पास मर्सडीज कार है। 25 हजार की आबादी वाले इस शहर में 8 हजार लोग मर्सिडीज के मालिक हैं। यही कारण है कि इमोट्स्की को Mercedes City के नाम से जाना जाता है। आइए, इस शहर के बारे में जान लेते हैं।

Mercedes City की दिलचस्प कहानी

क्रोएशिया के इमोट्स्की का Mercedes City नाम पड़ने की काफी दिलचस्प कहानी है। दरअसल 1970 में इस शहर से भारी संख्या में लोगों ने पलायन किया और ये रोजगार की तलाश में जर्मनी और यूरोप गए। वहां जाकर इन लोगों ने प्रवासी मजदूरों की तरह जमकर काम किया और जब वापस लौटे, तो सभी मर्सडीज कार लेकर आए। इसी वजह से शहर में 25 हजार की आबादी के बीच लगभग 8 हजार लोगों के पास मर्सडीज कार है।

मजदूरों की याद में बनाई गई पत्थर की कार

हाल ही में क्रोएशियाई मूर्तिकार रोको ड्रजिस्लाव रेबिक ने पत्थर की मदद से मर्सिडीज बेंज मिनिका कार बनाई है। उन्होंने पत्थर की ये मर्सिडीज उन हजारों प्रवासी श्रमिकों के सम्मान में बनाई है, जिन्हें आर्थिक मजबूरियों के चलते देश छोड़कर बाहर जाना पड़ा और पैसा कमाकर शहर को विकास की ओर प्रशस्त किया।

Ather Rizta इलेक्ट्रिक स्कूटर 6 अप्रैल को मारेगा एंट्री, जानिए संभावित पावरट्रेन और फीचर डिटेल्स

बेंगलुरु स्थित ईवी निर्माता Ather Energy की ओर से 6 अप्रैल को नवीनतम इलेक्ट्रिक स्कूटर Rizta पेश किया जाएगा। अब तक सामने आई डिटेल्स और स्पाई शॉट्स से पता चलता है कि Ather Rizta electric scooter स्पोर्टी एथर 450 सीरीज की तरह नहीं है। ये कम्फर्ट और व्यावहारिकता पर ध्यान देने के साथ फैमिली के लिए डिजाइन किया गया है।

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित ईवी निर्माता Ather Energy की ओर से 6 अप्रैल को नवीनतम इलेक्ट्रिक स्कूटर Rizta पेश किया जाएगा। कंपनी ने अपने आगामी Community Day 2024 पर इस ई-स्कूटर को लॉन्च करने का फैसला किया है। आइए, जान लेते हैं कि कंपनी का ये फैमिली स्कूटर कैसा रहने वाला है।

Ather Rizta में क्या खास?

अब तक सामने आई डिटेल्स और स्पाई शॉट्स से पता चलता है कि Ather Rizta electric scooter स्पोर्टी एथर 450 सीरीज की तरह नहीं है। इसके बजाय, ये कम्फर्ट और व्यावहारिकता पर ध्यान देने के साथ फैमिली के लिए डिजाइन किया गया है। व्यावहारिकता की बात करें तो कंपनी का दावा है कि इस स्कूटर में सेगमेंट की सबसे बड़ी सीट मिलेगी, जिसकी तस्वीरें हाल ही में कंपनी के सीईओ तरुण मेहता ने भी शेयर की थीं।

पावरट्रेन और फीचर डिटेल्स

उम्मीद है कि Rizta E-Scooter एथर की वर्तमान लाइनअप से कुछ फीचर्स उधार लेगा। इसमें पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल शामिल हो सकता है, जिसमें टचस्क्रीन कैपेबिलिटी और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी शामिल है। इसमें अलग-अलग राइड मोड, क्विक चार्जिंग और नेविगेशन असिस्टेंस भी शामिल किए जाने की उम्मीद है।

रिज्टा अन्य एथर मॉडलों की तुलना में बेहतर रेंज और प्रदर्शन की पेशकश कर सकता है, संभवतः नई बैटरी और मोटर कॉन्फिगरेशन के कारण इसकी रेंज बढ़ेगी। 6 अप्रैल को एथर कम्युनिटी डे इवेंट में आधिकारिक तौर पर रिज्टा का अनावरण किया जाएगा।

1.89 लाख में लॉन्च हुआ Ather 450 Apex

Ather Energy ने हाल ही में 450 Apex इलेक्ट्रिक स्कूटर को 1.89 लाख रुपये की एक्सशोरूम कीमत पर भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। स्कूटर के लिए बुकिंग प्रक्रिया पहले ही शुरू हो गई है। इसके लिए डिलीवरी मार्च में शुरू होने वाली है।

फरवरी 2024 में 2 लाख यूनिट सेल से थोड़ा चूक गई मारुति सुजुकी, इन गाड़ियों की बिक्री ने दिया धोखा

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 172321 यूनिट डिस्पैच की थीं जिसके मुकाबले फरवरी 2024 में ये संख्या 197471 यूनिट रही। कहा गया है कि कुल घरेलू पैसेंजर वाहन की बिक्री 9 प्रतिशत बढ़कर 160271 यूनिट हो गई जो एक साल पहले इस महीने में 147467 यूनिट थी।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki ने फरवरी 2024 की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल रिटेल सेल सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1,97,471 यूनिट हो गई। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Maruti Suzuki की सेल्स रिपोर्ट

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 1,72,321 यूनिट डिस्पैच की थीं, जिसके मुकाबले फरवरी 2024 में ये संख्या 1,97,471 यूनिट रही। कहा गया है कि कुल घरेलू पैसेंजर वाहन की बिक्री 9 प्रतिशत बढ़कर 1,60,271 यूनिट हो गई, जो एक साल पहले इस महीने में 147,467 यूनिट थी।

Alto और S-Presso की मांग घटी

ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित मिनी सेगमेंट कारों की बिक्री फरवरी 2023 में 21,875 यूनिट की तुलना में घटकर 14,782 यूनिट रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी 10 प्रतिशत घटकर 71,627 यूनिट रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 79,898 यूनिट थी।

यूटिलिटी व्हीकल्स की अच्छी डिमांड

कंपनी ने कहा कि ब्रेज़ा, अर्टिगा, ग्रैंड विटारा और एक्सएल6 सहित यूटिलिटी वाहनों की पिछले महीने 61,234 यूनिट की बिक्री दर्ज की गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 33,550 यूनिट से 82 प्रतिशत अधिक है। MSIL ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 28,927 यूनिट रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में उसका निर्यात 17,207 यूनिट था।

रॉयल इन्फील्ड ने फरवरी 2024 में दर्ज की 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, Classic 350 और Bullet 350 का बेहतर परफॉरमेंस

Royal Enfield ने फरवरी 2024 में हुई सेल के आंकड़े पेश किए हैं। चेन्नई स्थित दोपहिया वाहन निर्माता ने 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। फरवरी 2024 में घरेलू बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और महीने की बिक्री 64436 इकाइयों से बढ़कर 67922 इकाई हो गई। सालाना बढ़ोतरी की बात करें तो घरेलू बिक्री के आंकड़े 14 प्रतिशत बढ़कर 768751 यूनिट हो गए हैं।

नई दिल्ली। Royal Enfield ने फरवरी 2024 में हुई सेल के आंकड़े पेश किए हैं। चेन्नई स्थित दोपहिया वाहन निर्माता ने 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। फरवरी 2024 की बिक्री 2023 में 71,544 यूनिट से बढ़कर 75,935 यूनिट हो गई, जो 6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, सालाना स्तर पर कंपनी ने 2023-2024 में 8,37,181 यूनिट सेल कीं, जो 2022-23 में बेची गई 7,62,660 यूनिट से 10 प्रतिशत अधिक है।

RE की बिक्री में बढ़ोतरी

फरवरी 2024 में, घरेलू बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और महीने की बिक्री 64,436 इकाइयों से बढ़कर 67,922 इकाई हो गई। हैरानी की बात यह है कि निर्यात का आंकड़ा 13 फीसदी बढ़ गया है। ब्रांड ने फरवरी 2023 में 7,108 यूनिट और फरवरी 2024 में 8,013 यूनिट एक्सपोर्ट की हैं। सालाना बढ़ोतरी की बात करें, तो घरेलू बिक्री के आंकड़े 2022'23 में 6,74,956 यूनिट से 14 प्रतिशत बढ़कर 2023'24 में 7,68,751 हो गई है। हालांकि, निर्यात 87704 यूनिट से गिरकर 68430 यूनिट पर आ गया, जो 22 फीसदी की गिरावट है।

कंपनी ने क्या कहा?

रॉयल एनफील्ड ने हाल ही में भारतीय बाजार में कई नई मोटरसाइकिलें लॉन्च की हैं और उन्हें भारतीय बाजार से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फरवरी 2024 के महीने के प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए, रॉयल एनफील्ड के सीईओ, बी गोविंदराजन ने कहा-

पिछले कुछ महीनों में, जबकि हमारी नई मोटरसाइकिल लॉन्च ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, हमारी मौजूदा मोटरसाइकिलों ने भी बुकिंग और रिटेल सेल में हमारी मजबूत विकास गति में योगदान दिया है। पिछले महीने भी, हमारी बुकिंग और खुदरा बिक्री स्वस्थ स्तर पर बढ़ती रही। फरवरी में हमने अपने बेहतरीन क्रूजर, सुपर मीटियर 650 के लॉन्च के एक वर्ष का जश्न भी मनाया।

हिमाचल में सियासी भूकंप

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए 27 फरवरी को हुए चुनाव के परिणाम ने प्रदेश की राजनीति में भूकम्प ला दिया है। 68 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पच्चीस सदस्य हैं और सोनिया कांग्रेस के चालीस। सरकार चलाने, बचाने और राज्यसभा की यह सीट जीतने के लिए पैंतीस सदस्यों की दरकार है।

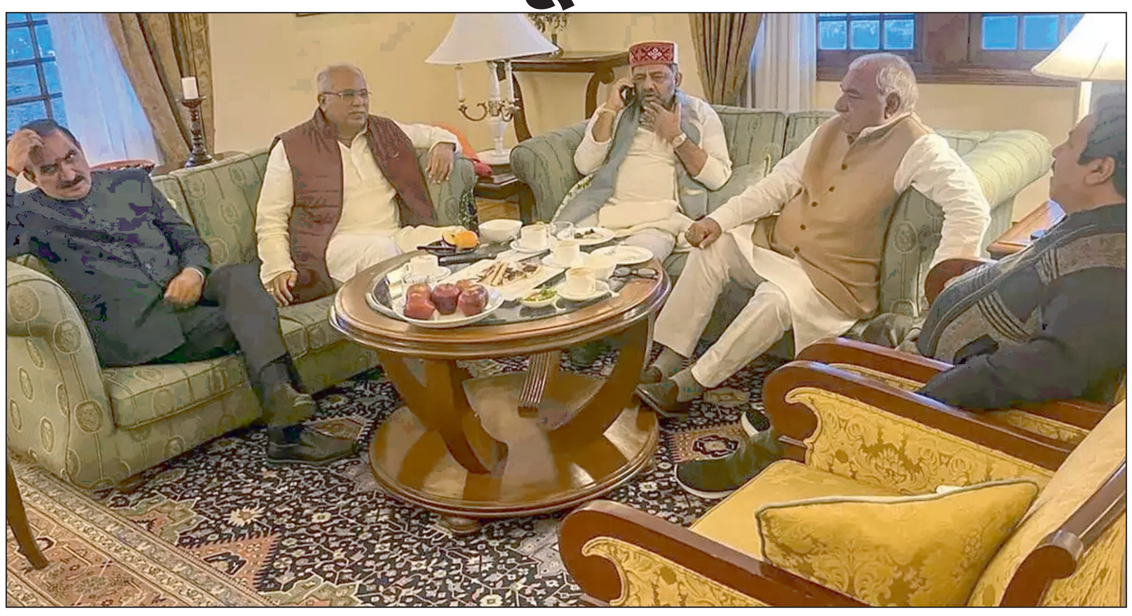

सुक्खू की कांग्रेस सरकार पहले दिन से ही स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के प्रति निष्ठा रखने वाले विधायकों को हाशिए पर धकेलने के काम में लगी हुई थी। वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना कर सोनिया गांधी की संतान ने संतुलन साधने की कोशिश तो जरूर की, लेकिन सुक्खू उस संतुलन को धरातल पर नहीं उतार पाए। यह भी कहा जा रहा है कि सुक्खू विरोधी खेमे में चौदह विधायक हैं, लेकिन रणनीति के तहत अभी छह विधायकों को ही सार्वजनिक रूप से राज्यसभा चुनाव के अवसर पर सामने लाया गया है। विक्रमादित्य सिंह का इस्तीफा किसी भावी तूफान का संकेत करता है। चलते-चलते विक्रमादित्य सिंह यह भी बता गए कि विधानसभा का चुनाव प्रतिभा सिंह और मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में लड़ा गया था। शायद वह परोक्ष रूप से सोनिया गांधी और उनके बच्चों से सवाल ही कर रहे थे कि फिर सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री किस हिसाब से बना दिया गया। हाईकमान तो पता नहीं इस सवाल का उत्तर कब देता, लेकिन इस ग्रुप ने राज्यसभा के चुनाव को उचित अवसर जान कर स्वयं इसका उत्तर दे दिया'

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए 27 फरवरी को हुए चुनाव के परिणाम ने प्रदेश की राजनीति में भूकम्प ला दिया है। 68 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पच्चीस सदस्य हैं और सोनिया कांग्रेस के चालीस। सरकार चलाने, बचाने और राज्यसभा की यह सीट जीतने के लिए पैंतीस सदस्यों की दरकार है। यानी कांग्रेस के पास ये तीनों काम निपटाने के लिए जरूरत से ज्यादा पांच अतिरिक्त सदस्य हैं। इसी विश्वास के बल पर सोनिया गान्धी ने अपने परम भक्त अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सदस्य बनाने का 'खतरनाक' निर्णय लिया था। राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उनको इस लड़ाई में जीत का अतिरिक्त विश्वास दिलाया ही होगा। खासकर तब जब उन्हें विश्वास था कि सरकार का समर्थन कर रहे तीन निर्दलीय भी अभिषेक मनु सिंघवी को राज्यसभा में हिमाचल का प्रतिनिधि मानने को तैयार हो जाएंगे। वैसे इसे भी संयोग ही कहना चाहिए कि अभिषेक मनु सिंघवी राजस्थान के रहने वाले हैं और वहां से आसानी से राज्यसभा में पहुंच सकते थे। लेकिन राजस्थान से राज्यसभा में जाने का रास्ता सोनिया गान्धी ने अपने लिए सुरक्षित कर लिया और राजस्थान के सिंघवी को हिमाचल में धकेल दिया, जबकि वे स्वयं हिमाचल से लड़ सकती थीं और राजस्थान के सिंघवी को राजस्थान में ही रहने दे सकती थीं।

क्या उन्होंने पहले से ही हिमाचल में इस पराजय का खतरा सूंघ लिया था? खैर इस पर राजनीतिक विश्लेषक अरसे तक माथापच्ची करते ही रहेंगे। लेकिन असली सवाल तो यह है कि कांग्रेस बहुमत से ज्यादा सदस्य होते हुए भी भारतीय जनता पार्टी के हर्ष महाजन से हारी कैसे? गणित का हिसाब किताब तो साफ-सुथरा है। कांग्रेस के छह विधायकों ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी को वोट न देकर भाजपा के प्रत्याशी को वोट दे दिया। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी इस चुनाव में भाजपा का साथ दिया। यानी कुल मिला कर दोनों प्रत्याशी 34-34 वोटों पर संतुलित हो गए। ऐसे मौकों पर भाग्य यानी ईश्वर लीला पर विश्वास किया जाता है। भाजपा और सोनिया कांग्रेस इस बात पर सहमत हो गए कि अब निर्णय ईश्वर यानी भाग्य पर छोड़ दिया जाए कि वह किसका साथ देता है। भाजपा को शायद विश्वास था कि ईश्वर उसी का साथ देगा, क्योंकि वे सब अभी-अभी अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करके ही नहीं, बल्कि राम के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा करके लौटे थे। अभिषेक मनु सिंघवी की पार्टी निमंत्रण मिलने के बावजूद अयोध्या नहीं गई थी। वैसे एक बार तो कांग्रेस पार्टी ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। परिणाम जानने के लिए पर्ची डाली गई तो वह भाजपा के पक्ष में निकली। इस ईश्वर लीला में भाजपा की जय जय हुई और सोनिया कांग्रेस की पराजय। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता जो दशकों तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे, कहते सुने गए कि हम तो पहले ही कहते थे कि संघ ईश्वरीय कार्य है। अभी कांग्रेस इस झटके से संभलती, तभी हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। वह सुक्खू मंत्रिमंडल में लोक निर्माण मंत्री थे। त्यागपत्र का कारण बताते हुए वह भावुक हो गए। उनका कहना था कि उनके पिता का अभी भी इस सरकार द्वारा अपमान किया जा रहा है। उनकी प्रतिमा लगाने के लिए जमीन तक उपलब्ध नहीं करवाई गई। जब सोनिया गान्धी ने अयोध्या में राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आधिकारिक तौर पर पार्टी की शमूलियत को सार्वजनिक तौर पर नकार दिया था तो विक्रमादित्य सिंह उसके बाद भी अयोध्या गए थे। वैसे वीरभद्र सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में मतान्तरण रोकने के लिए हिमाचल प्रदेश में क़ानून बना दिया था। तभी से वह सोनिया गान्धी की आंख की किरकिरी बन गए थे। सुक्खू की कांग्रेस सरकार पहले दिन से ही स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के प्रति निष्ठा रखने वाले विधायकों को हाशिए पर धकेलने के काम में लगी हुई थी।

वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना कर सोनिया गान्धी की सन्तान ने संतुलन साधने की कोशिश तो जरूर की, लेकिन सुक्खू उस संतुलन को धरातल पर नहीं उतार पाए। यह भी कहा जा रहा है कि सुक्खू विरोधी खेमे में चौदह विधायक हैं, लेकिन रणनीति के तहत अभी छह विधायकों को ही सार्वजनिक रूप से राज्यसभा चुनाव के अवसर पर सामने लाया गया है। विक्रमादित्य सिंह का इस्तीफा किसी भावी तूफान का संकेत करता है। चलते-चलते विक्रमादित्य सिंह यह भी बता गए कि विधानसभा का चुनाव प्रतिभा सिंह और मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में लड़ा गया था। शायद वह परोक्ष रूप से सोनिया गान्धी और उनके बच्चों से सवाल ही कर रहे थे कि फिर सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री किस हिसाब से बना दिया गया। हाईकमान तो पता नहीं इस सवाल का उत्तर कब देता, लेकिन इस ग्रुप ने राज्यसभा के चुनाव को उचित अवसर जान कर स्वयं इसका उत्तर दे दिया। उत्तर इतना तीखा है कि शायद हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार को ही निगल जाए। बाकी राहुल गान्धी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में स्थान-स्थान पर मोहब्बत की दुकानें सजाने में पहले की तरह व्यस्त हैं। उधर बाद की हकीकत यह है कि विक्रमादित्य सिंह को मना लिया गया है और उन्होंने इस्तीफा फिलहाल वापस ले लिया है। लेकिन उनके इस्तीफे से कांग्रेस की जो किरकिरी हुई, वह अब जगत के सामने है। देखना यह होगा कि कांग्रेस क्रॉस वोटिंग करने वाले अन्य विधायकों को कैसे मनाती है तथा सवाल यह भी है कि क्या विक्रमादित्य सिंह की नाराजगी दूर हो गई है? उधर सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस ने रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उसने फिलहाल बजट भी पारित करवा दिया है। फिलहाल संकट टलता दिखता है, लेकिन ऐसी भी सूचनाएं हैं कि क्रॉस वोटिंग करने वाले कुछ विधायक तो कांग्रेस का कहा मान भी सकते हैं, लेकिन दो विधायकों को मनाना कठिन होगा।

संपादक की कलम से

कांग्रेस के छह विधायकों की बलि

यह युद्ध नायक व खलनायक के बीच था और अंततः हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया के फैसले से साबित हो गया कि ऊंट किस करवट बैठा है। दुष्चक्र अब वक्त के चक्र में नए फौलाद के पिघलने का इंतजार करेगा, तो यह युद्ध अब सीधे से संवाद करेगा। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को लगी चपत अब नए समीकरणों में जब्त हो गई। कांग्रेस ने सत्ता की दीवार और मोटी कर ली या घर के भीतर से कुछ लोग कान से पकड़ कर बाहर कर दिए। कल तक जो घटनाक्रम कांग्रेस आलाकमान को भयभीत कर रहा था, वह आज अपना रक्षा कवच सुदृढ़ करने में जुटा है। दलबदल कानून के तहत कांग्रेस के छह बागी विधायक अयोग्य करार घोषित हो गए। यानी अब सदन के सामने कांग्रेस के 34 तो सत्ता के सामने विपक्षी भाजपा के 25 सदस्य ही रहे, लेकिन तीन निर्दलीय अपनी आस्था जोडक़र इस घर में भविष्य का आक्रोश या सियासी खोट भर सकते हैं। कहानी जो अतीत में थी, वह अब नए चौराहे पर लिखी जा सकती है। इस सफर में कांग्रेस का राष्ट्रीय इम्तिहान जरूर सफल रहा। विधानसभा अध्यक्ष का इंतजाम सफल रहा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का इंतखाब सुरक्षित रहा, लेकिन राज्यसभा सीट जीतकर भी भाजपा अपनी उम्मीद के अनुसार कहीं खरी नहीं उतरी। दूध से जली कांग्रेस ने भले ही छाछ को फूंक फूंक कर नहीं पिया, लेकिन सरकार का अभिमान टूटने से बचा लिया।

यह अगर मिशन था, तो कांग्रेस अपने बचाव में इससे बेहतर नहीं कर सकती थी, लेकिन भाजपा या बागियों के लिए यह सफर नई खटास भर गया। अब सवाल अगली चाल का है, तो भाजपा के शिकार का भी है। भाजपा ने जल्दी की या बागी जल्दबाजी में थे, लेकिन यहां किसी सिंधिया की तलाश पूरी नहीं हो सकी, लेकिन प्रश्न अभी जिंदा हैं-मरे नहीं। धड़ेबंदी जिंदा है-मरी नहीं। क्षेत्रीय जज्बात जिंदा हैं-मरे नहीं। जीते हुए विधायकों की करामात जिंदा है-मरी नहीं। विक्रमादित्य सिंह का इस्तीफा जिंदा है-मरा नहीं। बगावत के सुर भले ही छह विधायकों की बलि ले गए, लेकिन ये तोपें अभी मरी नहीं। कहना न होगा कांग्रेस ने एक सरकार, एक मुख्यमंत्री का किरदार और एक राज्य फिलहाल बचा लिया ताकि लोकसभा चुनाव तक सारे चरित्र पहलवान बनें, लेकिन क्या अपने ही विधायकों को घर भेज कर कांग्रेस मजबूत हो गई। क्या कांग्रेस के मोहल्ले, कांग्रेस के चूल्हे आइंदा साझेदारी में मेहनत करेंगे। इस परीक्षा के बाद जाहिर तौर पर कई और परीक्षाएं होंगी, घर के झगड़े बेजुबान नहीं होंगे। कांग्रेस ने सख्त फैसले की कसौटी में सारे तीर भले ही इन विधायकों पर उतार दिए, लेकिन शिकायतें जिन कानों को खबर दे गई, क्या वे भी मर जाएंगी। सत्ता का विपक्ष से मुकाबला बढ़ेगा जरूर और अब कांग्रेस के बीच कुछ तो और कांग्रेस होगी। हिमाचल में पहले ही वीरभद्र के नाम पर एक कांग्रेस परेशान थी, तो एक कांग्रेस सत्ता के नाम पर सुक्खू पर परवान थी।

ऐसे में आलाकमान ने राष्ट्रीय कांग्रेस का सुक्खू कांग्रेस से मिलान करके यह ऐलान तो कर दी दिया कि इसके खिलाफ कोई बोला तो हश्र कैसा होगा। कांग्रेस की मचान पर हलाल हुए छह विधायक फिलहाल नुकसान में हैं और उन्हें फिर से जनता की अदालत या न्यायालय के सामने खुद को निर्दोष, खुद को सही और खुद को ऊर्जावान साबित करना है, जबकि इससे पार्टी को क्या लाभ हुआ यह भविष्य के गर्त में है। जाहिर तौर पर आलाकमान की आंखों में तारा साबित हुए सुक्खू के वर्चस्व को सलाम करना होगा। एक ताकतवर मुख्यमंत्री ही अपने विधायकों को घर बैठा सकता है। आइंदा कांग्रेस के भीतर असंतोष नहीं होगा या बाकी बचे विधायक अब सफेद भेड़ें हो जाएंगे, यह आलाकमान की गिनती और पर्यवेक्षक भेजने का प्रतिफल है। देखना यह है कि अयोग्य करार हुए विधायक अदालत के दरवाजे पर क्या कहते हैं तथा न्याय की दृष्टि में वे कितने पाक होकर निकलते हैं।

राय

भारत विरोधी द्रमुक

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक न केवल सनातन-विरोधी है, बल्कि भारत-विरोधी भी है। संविधान धार्मिक आस्था और पूजा-पद्धति की अनुमति तो देता है, लेकिन भारत-विरोध का कोई प्रावधान नहीं है। भारत-विरोध के मायने हैं कि आप देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता और राष्ट्र के तौर पर अपमान कर रहे हैं। कोई साजिश रच रहे हैं। उन्हें चुनौती दे रहे हैं। यह सरासर देशद्रोह है और नई न्याय संहिता में इस अपराध की सजा स्पष्ट हो जाएगी। यह संहिता 1 मार्च से देश भर में लागू हो रही है। द्रमुक सरकार ने एक विज्ञापन छपवाया है, जो इसरो लॉन्च पैड से संबंधित था। विज्ञापन में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री स्टालिन के चित्र छपे थे। उनके बीच एक रॉकेट पर चीन का लाल झंडा छापा गया था। विज्ञापन सरकारी और देश के प्रधानमंत्री के चेहरे के साथ छापा गया था। तमिलनाडु अखंड और आजाद भारत का एक राज्य है। द्रमुक भी भारतीय निर्वाचन आयोग में पंजीकृत एक राजनीतिक पार्टी है। उसे उस जनता का जनादेश प्राप्त है, जो भारत के तमिलनाडु में रहती है। उसी जनता के टैक्स से सरकारें चलती हैं और सरकारी विज्ञापन छपवाए जा सकते हैं। तो सवाल है कि इसरो से जुड़े विज्ञापन में चीन का झंडा क्यों छापा गया? यह भारत देश, इसरो के वैज्ञानिकों, इसरो की अंतरिक्ष में उपलब्धियों का सार्वजनिक अपमान है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी ने बेहद आक्रामक अंदाज में, तमिलनाडु में जनसभा को संबोधित करते हुए, यह मुद्दा उठाया और कहा कि द्रमुक सरकार ने तमाम हदें पार कर दी हैं। बेशक मुख्यमंत्री स्टालिन और द्रमुक की वैचारिकता वामपंथी हो सकती है, वे उसी के आधार पर वोट भी मांग सकते हैं, लेकिन सरकारी काम संविधान से ही संचालित होते हैं और संविधान किसी भी स्तर पर चीन के झंडे के सरकारी इस्तेमाल की इजाजत नहीं देता। यह संविधान का ही प्रावधान है कि विदेश, रक्षा, वित्त और संचार से जुड़े विशेषाधिकार भारत सरकार के पास ही होंगे। उस तरह द्रमुक सरकार ने संविधान का भी उल्लंघन किया है। संविधान के खिलाफ जाकर कोई भी सरकार अस्तित्व में नहीं रह सकती। सवाल है कि तमिलनाडु की द्रमुक सरकार के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई भारत सरकार करेगी या चीख-चीख कर भाषण देने से ही काम चलाया जाएगा? मुख्यमंत्री के मंत्री-पुत्र, द्रमुक के मंत्रियों-सांसदों ने सनातन धर्म को गालियां दीं, उसके समूल नाश की हुंकारें भरीं और उसके लिए भद्दे उपमान भी इस्तेमाल किए गए, तो भी उन्हें सहन कर लिया गया। अलबत्ता हर स्तर पर थू-थू कर द्रमुक नेताओं की खूब आलोचनाएं जरूर की गईं। यदि तमिलनाडु वाकई सनातन-विरोधी है, तो वहां भगवान श्रीराम के प्राचीन और पूजनीय, विख्यात मंदिर क्यों हैं? उन मंदिरों में 'रामायण' के पाठ और पूजा लगातार क्यों होती रहती है? तमिल लोग भगवान शिव की आराधना के लिए काशी क्यों आते रहते हैं? किसी द्रमुक नेता ने बयान दिया कि चीन भारत का दुश्मन देश घोषित नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी चीन के प्रधानमंत्री को भारत आने का आमंत्रण दिया था। यह बयान हास्यास्पद है। यदि चीन दुश्मन देश नहीं है, तो क्या इसरो के प्रोजेक्ट पर उसका लाल झंडा लगने दें? दरअसल चीन को लेकर हमारे देश में कई तरह की सोच हैं। जब शी जिनपिंग तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बनाए गए, तो हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं तक नहीं भेजी थीं।

भूपिंदर सिंह

यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स में हिमाचली धाविकाएं

200 मीटर की दौड़ में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की धाविका प्रोमिला ने अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स बंगलूरु 2006 में 100 मीटर में चौथा तथा 200 मीटर की दौड़ को 24.93 सैकेंड में दौड़ कर रजत पदक जीता था'

माता कामाख्या के आंचल असम की राजधानी गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडियों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है, यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोड़ कर भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है।

सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा गया है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है, यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है।

एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पदक जीत नहीं पाए हैं। समय समय पर राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर कुछ धाविकाओं व धावकों ने आशा जगाई है। हिमाचल प्रदेश में पहली बार राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के धावक अशोक ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 1994 सुंदरनगर में पहली बार हिमाचल प्रदेश की धरती पर सौ मीटर की दौड़ को 11 सैकिंड से नीचे 10.9 सैकिंड में दौड़ कर तीव्रतम धावक बना था। उसके साथ हमीरपुर के राजेश ठाकुर ने भी 11 सैकिंड से नीचे दौड़ कर रजत पदक जीता था। 2012-13 में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के विद्यार्थी धावक रोहित चौहान ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अशोक ठाकुर के रिकॉर्ड को तोडक़र 10.83 सैकिंड का नया कीर्तिमान बनाया था। वर्ष 2019 में राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के धावक पारस ने रोहित चौहान के कीर्तिमान को तोडक़र 10.70 सैकिंड में दौड़ कर तीव्रतम धावक बना है। इस धावक ने 200 मीटर की दौड़ को 22 सैकिंड से नीचे 21.90 सैकिंड में पहली बार दौड़ कर नया कीर्तिमान बनाया है। वरिष्ठ राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में पारस कई बार फाइनल में पहुंच कर हिमाचल का नाम सामने लाया है। हिमाचल प्रदेश पुरुष वर्ग का रिकॉर्ड 10.40 सैकिंड में हमीरपुर के धावक संदीप ने हिमाचल प्रदेश मिनी ओलंपिक 2017 में बनाया है। हिमाचल प्रदेश महिला वर्ग में हमीरपुर की पुष्पा ठाकुर ने पहली बार सौ मीटर दौड़ को 12 सैकिंड से नीचे हिमाचल प्रदेश मिनी ओलंपिक 2004 मंडी में 11.96 सैकिंड में दौड़ कर नया राज्य रिकॉर्ड बनाया था। अब यह ताज कुसुम के नाम हो गया है।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कीर्तिमान को पहले हमीरपुर की सोनिका शर्मा और फिर उसे धर्मशाला महाविद्यालय की रिचा ने अपने नाम किया था। अब यह भी कुसुम के नाम हो गया है। हमीरपुर की रिशु ठाकुर ने 2011 में भोपाल राष्ट्रीय महिला खेलों की 100 मीटर दौड़ के फाइनल में पहुंच कर चौथा स्थान प्राप्त किया था। 200 मीटर की दौड़ में राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की धाविका प्रोमिला ने अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स बंगलूरु 2006 में 100 मीटर में चौथा तथा 200 मीटर की दौड़ को 24.93 सैकिंड में दौड़ कर रजत पदक जीता था। प्रोमिला 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए लगे प्रशिक्षण शिविर में भी रही है। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर की ज्योति ने अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2013 पटियाला में 400 मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता था। 2012 की राष्ट्रीय महिला खेलों में ज्योति ने 400 मीटर की दौड़ में रजत पदक जीता था। इनके अलावा भी कई प्रतिभाएं हैं। बहरहाल, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में अच्छे प्रदर्शन के लिए एथलीटों को बधाई।

हास्य रस

घोटाला, घोटाला, घोटाला

हमारा देश घोटाला प्रधान है। घोटालों में हमारा मुकाबला नहीं है। ओलंपिक्स में यदि घोटाला प्रतियोगिता हो तो निःसंदेह हम हर हालत में स्वर्ण पदक प्राप्त करके रहें। एक घोटाले की जांच प्रारम्भ भी नहीं हो पाती कि दूसरा खुल पड़ता है। मेरे एक मित्र हैं। घोटालों के अनुभव सिद्ध पुरुष हैं। तीन बार गबन-घोटाले के चक्कर में निलंबित हो चुके हैं। लेकिन हर बार न्यायालय उन्हें बेदाग साबित करके पुनः सेवा में बहाल कर देता है और वे फिर घोटाला प्रक्रिया में लिप्त हो जाते हैं। एक दिन आए तो मैंने कहा-'मित्रवर, घोटालों के कीर्तिमान तोड़े जा रहे हैं और आप हैं कि दम साधे पड़े हैं।' 'शर्मा क्या बताऊं यार, घोटाला तो कर चुका लेकिन अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है।' 'तो क्या मैं आशा करूं कि यह घोटाला नए आयाम छू लेगा?' मैंने पूछा। वे बोले-'कह नहीं सकता, मैं जहां काम करता हूं, वहां का कुल बजट ही जब लाखों में है तो करोड़ों का घपला कैसे हो सकता है?' 'यह तो तुम जानो, लेकिन गुरू करो कुछ ऐसा कि एकदम ओरिजनल हो।' मैं बोला। 'भाई जैसी भी सेवा बन पड़ रही है, कर रहे हैं। जान जोखिम में डालकर भी हम लोग इतने बड़े रिस्क ले रहे हैं। क्या तुम घपला कर सकते हैं?' उन्होंने पूछा। मैंने कहा-'अजी मेरी क्या बिसात। मैं तो करते आप हो लेकिन डर मुझे लगता है।

कई बार तो लगता है कि कहीं तुम्हारा दोस्त हूं, कोई आंच की चिंगारी मुझ पर न लग जाए।' 'ऐसा बेवकूफ तो मैं भी नहीं हूं भाई। कीर्तिमान मुझे कायम करने हैं और गिनीज बुक में नाम तुम दर्ज कराओ।' वे बोले। मैंने कहा-'तो क्या गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकाड्र्स में नाम दर्ज कराने के लिए ही करते हो घोटाले?' 'देखो कोई न कोई लक्ष्य तो सामने रखना ही पड़ता है। बिना आदर्श योजना के काम करना मैं उचित नहीं मानता। घोटाले का भी अपना शास्त्र है तथा वह यह तो नहीं कहता कि घोटालों का कोई औचित्य नहीं है।' 'क्या खूब कही है आपने तो भाई। अब जरा यह भी तो बताओ जो तुम्हारे बड़े भाई अरेस्ट हो गए हैं शेयर घोटालों में, उनका भविष्य क्या है?' 'उनका भविष्य उज्ज्वल है। घोटालों पर पर्दा डालने में हमारा सरकारी तंत्र प्रवीण है। वह नहीं चाहता कि अरबों रुपए के घोटाले भी सामने आए, फिर आजकल तो बड़े-बड़े स्कैण्डल्स से जुडऩे का क्रेज भी है। मंत्रीगण वगैरह हर काण्ड में जुड़े मिलते हैं। सत्तारूढ़ लोगों की तो विशेषता ही यही है कि वे कुछ न कुछ करते ही रहते हैं।' मित्र महाशय ने कहा। मैं बोला-'लेकिन सरकार इन आर्थिक अपराधियों को शह क्यों देती है?'

'शह, देकर मात देना शतरंज का खेल है। राजनीति शतरंज की चाल हो गई है, जिसमें हर मोहरा बड़ा सोच समझ कर रखना होता है। इससे होता यह है कि राजनीतिक दलों की पांचों अंगुलियां घी में तर रहती हैं और फिर अब तो चुनाव भी जल्दी-जल्दी कराने का फैशन सा हो गया है। चुनाव में पैसा पानी की तरह बहाना पड़ता है। उस समय चंदा मिलता ही घोटालों से है और चुनाव जीत लिया जाता है।' उन्होंने कहा। मैंने कहा-'लेकिन यह मूल्यहीनता है तथा सरासर दगा है।' 'मूल्यहीनता, जाओ पहले बाजार भाव मालूम करके आओ, कुछ क्रय शक्ति हो तो हमें भी बताओ। इतनी देर से गाल बजा रहे हो। हमें देखो जेबें नोटों से भरी रहती हैं तथा इसकी मार से जमाने को झुकाये चले जाते हैं। इसलिए यही तो घोटाला महात्म्य है।' वे बोले। मैंने कहा-'वाह भाई आपने तो आंख खोल दी, मैं भी इस दिशा में सोचने पर अपने आपको विवश सा महसूस कर रहा हूं।' 'बड़ी प्रसन्नता की बात है, चलो शुभ काम में देरी मत करो। करो, कोई घोटाला तुम भी कर डालो।' बस उस दिन से मैं भी कर रहा हूं-घोटाला। लेकिन अब कोई मुझ पर कार्रवाई न करे तो मैं क्या करूं?

पूरन सरमा

इनसाइड

बदल गए सोने-चांदी के रेट, जानें अब कितनी है आपके शहर में गोल्ड प्राइस

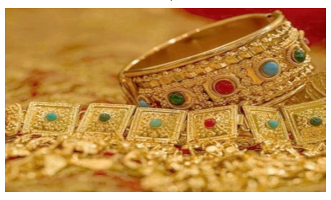

देश के सभी शहरों में सोने-चांदी के नए दाम जारी हो गए हैं। इनकी कीमतों में आज भी बदलाव देखने को मिला है। अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको अपने शहर के रेट एक बार चेक करने चाहिए। आज दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 63310 रुपये है।

नईदिल्ली। 1 मार्च 2024 को देश के सभी शहरों में सोने-चांदी के रेट बदल गए हैं। ऐसे में सोना-चांदी खरीदने से पहले आपको अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

चेक करें अपने शहर के लेटेस्ट रेट

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,710 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,160 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,160 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,310 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,210 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,310 रुपये है।

नागपुर में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,160 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,210 रुपये है।

पुणे में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,160 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,160 रुपये है।

बैंगलोर में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,160 रुपये है।

वायदा कारोबार में सोना-चांदी

शुक्रवार को वायदा कारोबार में सोने की कीमत 60 रुपये गिरकर 62,507 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 60 रुपये या 0.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,507 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 13,304 लॉट का कारोबार हुआ। वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 27 रुपये बढ़कर 69,692 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 27 रुपये या 0.04 प्रतिशत बढ़कर 480 लॉट में 69,692 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

मुश्किलों से घिरे पेटीएम पेमेंट बैंक को बड़ा झटका, मनी लॉन्ड्रिंग के लिए लगा 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना

फाइनेंस मिनिस्ट्री ने इस मामले की जानकारी देते कहा कि अवैध गतिविधियों में शामिल संस्थाओं ने अपनी गैरकानूनी कमाई को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अकाउंट में रखा ...

परिवहन विशेष न्यूज

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। One 97 Communications Ltd के मालिकाना हक वाली यूनिट पर यह जुर्माना मनी लॉन्ड्रिंग की वजह से लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 15 मार्च तक अपना कामकाज बंद करने का आदेश भी दिया है। विजय शेखर शर्मा भी पेमेंट्स बैंक से इस्तीफा दे चुके हैं

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक की पाबंदियों से जूझ रहे पेटीएम पेमेंट्स बैंक (Paytm Payments Bank) की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

फाइनेंस मिनिस्ट्री ने इस मामले की जानकारी देते कहा कि अवैध गतिविधियों में शामिल संस्थाओं ने अपनी गैरकानूनी कमाई को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अकाउंट में रखा और फिर उन्हें दूसरे खातों में ट्रांसफर किया।

मिनिस्ट्री ने अपने बयान में कहा, 'फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया (FIU-IND) ने, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर जुर्माना लगाया है।'

इस बयान में कहा गया है कि FIU-IND को कानून प्रवर्तन एजेंसियों से ऑनलाइन सट्टेबाजी का आयोजन करने समेत कई अवैध कार्यों में शामिल संस्थाओं के नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली। उसी आधार पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक की समीक्षा शुरू हुई।

इससे पहले रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 29 फरवरी के बाद कस्टमर अकाउंट में नई जमा या क्रेडिट स्वीकार करने पर रोक लगा दी थी। बाद में ग्राहकों के हितों को ध्यान रखते हुए केंद्रीय बैंक ने समयसीमा को बढ़ाकर 15 मार्च तक कर दिया था।

इससे पहले Paytm Payments Bank और Paytm ने अपने इंटर-कंपनी एग्रीमेंट को बंद करने की जानकारी दी थी।

इससे ग्राहकों के सामने यह चुनौती पैदा हो गई थी कि वे 15 मार्च के बाद अपने वॉलेट का इस्तेमाल कर पाएंगे या नहीं। हालांकि, Paytm ने कहा कि वह चाहती है कि उसके ग्राहकों को लेनदेन में किसी तरह की दिक्कत ना हो और वह इसके लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है।

देश में विमान ईंधन मांग महामारी-पूर्व स्तर से निकली आगे, 2022 में हुई थी 55.2 प्रतिशत अधिक खपत

देश में विमान ईंधन की मांग फरवरी में बढ़कर महामारी-पूर्व स्तर से आगे निकल गई। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जाड़े में होने वाली यात्राओं के चलते खपत बढ़ी। महामारी शुरू होने से ठीक पहले फरवरी 2020 में खपत 632100 टन थी। भारत में लाकडाउन के तुरंत बाद मार्च 2020 के अंत में ईंधन बिक्री में 60 प्रतिशत तक की गिरावट हुई थी।

आंकड़ों से पता चलता है कि मासिक आधार पर विमान ईंधन की बिक्री 3.5 प्रतिशत बढ़ी।

नई दिल्ली। देश में विमान ईंधन की मांग फरवरी में बढ़कर महामारी-पूर्व स्तर से आगे निकल गई। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जाड़े में होने वाली यात्राओं के चलते खपत बढ़ी।

तीन सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं की विमान ईंधन (एटीएफ) की बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 7.1 प्रतिशत बढ़कर 6,32,600 टन हो गई। यह आंकड़ा कोरोना प्रभावित महीना यानी फरवरी, 2022 में हुई खपत से 55.2 प्रतिशत अधिक है।

मान ईंधन की बिक्री 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

महामारी शुरू होने से ठीक पहले फरवरी 2020 में खपत 6,32,100 टन थी। आंकड़ों से पता चलता है कि मासिक आधार पर विमान ईंधन की बिक्री 3.5 प्रतिशत बढ़ी। भारत में सख्त लाकडाउन लागू होने के तुरंत बाद मार्च 2020 के अंत में ईंधन बिक्री में 60 प्रतिशत तक की गिरावट हुई थी। ईंधन बाजार के 90 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करने वाली तीन सरकारी कंपनियों की पेट्रोल बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 7.2 प्रतिशत बढ़कर 27.5 लाख टन हो गई। डीजल की मांग 0.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 65.5 लाख टन हो गई।

पीएफएमएस से 34 लाख करोड़ रुपये की डीबीटी की सुविधा मिली: निर्मला सीतारमण

सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) ने 34 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की सुविधा दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 48वें नागरिक लेखा दिवस के अवसर पर लेखा महानियंत्रक (सीजीए) और भारतीय नागरिक लेखा संगठन (आइसीएओ) को एक लिखित संदेश में कहा कि पीएफएमएस एक मजबूत भुगतान और लेखा नेटवर्क के साथ ही कुशल कोष प्रवाह प्रणाली स्थापित करने की आधारशिला रहा है।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) ने 34 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की सुविधा दी है। उन्होंने लेखा अधिकारियों से प्रणाली की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भी कहा।

सीतारमण ने 48वें नागरिक लेखा दिवस के अवसर पर लेखा महानियंत्रक (सीजीए) और भारतीय नागरिक लेखा संगठन (आइसीएओ) को एक लिखित संदेश में कहा कि पीएफएमएस एक मजबूत भुगतान और लेखा नेटवर्क के साथ ही कुशल कोष प्रवाह प्रणाली स्थापित करने की आधारशिला रहा है।

क्या है पीएफएमएस ?

पीएफएमएस एक प्रबंधन सूचना प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल भारतीय नागरिक लेखा सेवा के अधिकारी सरकार के खातों को संभालने के लिए करते हैं। इसका इस्तेमाल डीबीटी के जरिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थी खातों में धनराशि स्थानांतरित करने के लिए भी किया जाता है। संदेश को वित्त सचिव टी वी सोमनाथन ने पढ़ा। सीतारमण ने अपने संदेश में कहा कि पीएफएमएस के माध्यम से सुगम डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से सरकार को 34 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण हुआ है। यह अक्षमताओं को दूर करने और यह सुनिश्चित करने में प्रणाली की प्रभावशीलता का एक प्रमाण है कि लाभ बिना किसी रिसाव के सीधे नागरिकों तक पहुंचाया जाए।

वित्तीय प्रशासन में क्रांति

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राज्य सरकारों सहित 1,081 विभिन्न योजनाओं को डीबीटी में निर्बाध रूप से एकीकृत किया गया है।

पीएफएमएस, जिसे व्यय विभाग के तहत लेखा महानियंत्रक(कंट्रोलर द्वारा विकसित और कार्यान्वित किया गया है, ने सरकार के वित्तीय प्रशासन में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीतारमण ने कहा कि इसने न केवल वास्तविक समय, विश्वसनीय और सार्थक प्रबंधन सूचना प्रणाली की सुविधा प्रदान की है, बल्कि अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित शासन का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

कृषि उपज को अब आसानी से मिलने लगेगा बाजार, ONDC प्लेटफार्म पर पांच हजार FPO पंजीकृत

ओएनडीसी से एफपीओ के संबद्ध होने से डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन भुगतान बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कंज्यूमर लेनदेन कारोबार सशक्त बन सकेगा। इस व्यवस्था को केंद्र सरकार ने 6865 करोड़ रुपये के बजटीय प्रविधान के साथ वर्ष 2020 में शुरू किया था। इसके तहत दस हजार एफपीओ बनाना है। प्रत्येक एफपीओ को तीन वर्ष के लिए 18 लाख रुपये तक की मदद दी जाती है।

नई दिल्ली। कृषि पैदावार को ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से आसानी से बेहतर बाजार तक पहुंचाने का काम तेजी से आगे बढ़ा है। इसके तहत आठ हजार पंजीकृत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) में पांच हजार को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पोर्टल से जोड़ दिया गया है। इससे देश के किसी भी हिस्से में खरीदारों तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

एफपीओ का गठन कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया गया है। इससे लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि से किसानों की आय बढ़ रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ गांवों में ही रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

वर्ष 2020 में शुरू हुई थी यह व्यवस्था

ओएनडीसी से एफपीओ के संबद्ध होने से डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन भुगतान, बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कंज्यूमर लेनदेन कारोबार सशक्त बन सकेगा। इस व्यवस्था को केंद्र सरकार ने 6,865 करोड़ रुपये के बजटीय प्रविधान के साथ वर्ष 2020 में शुरू किया था। इसके तहत दस हजार एफपीओ बनाना है। अभी तक आठ हजार बन चुके हैं। एफपीओ के माध्यम से छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों का बाजार से संपर्क तेजी से बढ़ा है।

1,101 एफपीओ को 246 करोड़ की क्रेडिट गारंटी

प्रत्येक एफपीओ को तीन वर्ष के लिए 18 लाख रुपये तक की मदद दी जाती है। संस्थागत ऋण को आसान बनाने के लिए एफपीओ के प्रत्येक सदस्य को दो-दो हजार रुपये तक मैचिंग इक्विटी अनुदान देने और ऋण देने वाली संस्थाओं से प्रति एफपीओ दो करोड़ रुपये के परियोजना ऋण की क्रेडिट गारंटी सुविधा का प्रविधान किया गया है। अभी तक 1,101 एफपीओ को 246 करोड़ की क्रेडिट गारंटी दी गई है। साथ ही 145.1 करोड़ रुपये की मैचिंग इक्विटी उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित कर दिया गया है। इससे 10.2 लाख से अधिक किसान जुड़े हुए हैं।

फरवरी में सरकार को जीएसटी से जबरदस्त कमाई, सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़ा कलेक्शन

सरकार को फरवरी 2024 में 1.68 लाख करोड़ रुपये GST कलेक्शन हुआ है। फरवरी 2023 से तुलना में यह 12.5 फीसदी अधिक है। तब सरकार को GST से 1.49 लाख करोड़ रुपये मिले थे। वित्त मंत्रालय का कहना है कि घरेलू लेनदेन की वजह से यह इजाफा हुआ। हालांकि एक महीना पहले के मुकाबले जीएसटी कलेक्शन में 4 हजार करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को फरवरी 2024 में 1.68 लाख करोड़ रुपये गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) मिला है। एक साल पहले यानी फरवरी 2023 से तुलना की जाए, तो यह 12.5 फीसदी अधिक है। तब सरकार को GST से 1.49 लाख करोड़ रुपये मिले थे। वित्त मंत्रालय का कहना है कि घरेलू लेनदेन की वजह से यह इजाफा हुआ।

हालांकि, एक महीना पहले के मुकाबले जीएसटी कलेक्शन में 4 हजार करोड़ रुपये की कमी आई है। जनवरी में सरकार ने जीएसटी से 1.72 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे।

कुल मिलाकर देखें, तो यह लगातार 12वीं बार है, जब रेवेन्यू कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ रुपये अधिक रहा। एक महीने में सबसे अधिक जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2023 के नाम है। उस समय सरकार को 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था।

जीएसटी से लगातार मजबूत रेवेन्यू कलेक्शन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह पिछले 23 महीनों से 1.4 लाख करोड़ के नीचे नहीं गया है।

वित्त मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, फरवरी 2024 में GST कलेक्शन 1,68,337 करोड़ रुपये रहा। इसमें CGST 31,785 करोड़ रुपये, SGST 39,615 करोड़ रुपये, IGST 84,098 करोड़ रुपये रहा। वहीं, सेस से 12,839 करोड़ रुपये जुटाए गए। सेस में माल के आयात से मिले 984 करोड़ रुपये भी शामिल हैं।

GST कलेक्शन क्या है ?

जीएसटी कलेक्शन केंद्र सरकार के लिए आमदनी का बड़ा जरिया है। इसमें से वह राज्यों को भी उनका हिस्सा देती है। जीएसटी कलेक्शन से मिली रकम का इस्तेमाल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में किया जाता है। अच्छे जीएसटी कलेक्शन से यह भी संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इससे यह भी पता चलता है कि जनता ज्यादा पैसे खर्च कर रही है, जिससे इकोनॉमी में तेजी आती है।

एलआईसी ने सरकार को 2,441 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी जानकारी

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 2441.44 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक दिया। एलआईसी का मालिकाना हक सरकार के पास है। इसमें सरकार की हिस्सेदारी 96.5 फीसदी है। पिछले साल LIC ने सरकार को 1831.09 करोड़ रुपये के डिविडेंड का चेक सौंपा था। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी मार्केट में करीब सात दशक से टिकी हुई है।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (LIC) ने शुक्रवार को सरकार को 2,441 करोड़ रुपये के डिविडेंड दिया। इस बात की जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी।

इसमें लिखा गया, 'लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 2,441.44 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक सौंपा।' वित्त मंत्री को यह चेक फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्रेटरी विवेक जोशी की मौजूदगी में दिया गया।

एलआईसी का मालिकाना हक सरकार के पास है। इसमें सरकार की हिस्सेदारी 96.5 फीसदी है। पहले सरकार का कंपनी 100 फीसदी स्वामित्व था, लेकिन इसने आईपीओ के जरिए 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी थी।

पिछले साल LIC ने सरकार को 1,831.09 करोड़ रुपये के डिविडेंड का चेक सौंपा था। LIC ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए प्रति शेयर डेढ़ रुपये का डिविडेंड दिया था, जिसका ऐलान 31 मई 2022 को किया था।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि एलआईसी हर साल डिविडेंड देती है। सरकारी बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 में कोई डिविडेंड नहीं दिया था। तब सरकार ने संसद में बताया था कि इस बार LIC ने डिविडेंड देने की बजाय फ्री रिजर्व का इस्तेमाल अपना पेड-कैपिटल बढ़ाने में किया था।

68 साल मार्केट में टिकी है LIC

LIC का गठन 1 सितंबर 1956 को हुआ था। यह मार्केट में करीब सात दशक से टिकी हुई है। इसकी शुरुआती पूंजी 1956 में 5 करोड़ रुपये थी। वहीं 31 मार्च 2023 तक के आंकड़ों के मुताबिक, इसका असेट बेस 45.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इंश्योरेंस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर की कई दिग्गज कंपनियां एंट्री ले चुकी हैं, फिर भी एलआईसी मार्केट लीडर बनी हुई है।

बीजेपी के वर्तमान 80 सांसदो पर संकट ,कटेगा टिकट

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे वैसे-वैसे बीजेपी सांसदो की सांसे फूलने लगी है ।वजह साफ है कि वर्तमान में करीब 80 सांसदो पर संकट भारी है । उनका टिकट कट सकता है । आम चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरा गणित तैयार कर लिया है । गुरूवार को दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव कमेटी ने मुख्यालय में देर रात तक मंथन किया गया ।

इस बैठक में भाजपा शाषित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे । पार्टी सूत्रों का कहना है कि जनता से लिए गए फीडबैक ,आंतरिक सर्वे और रणनीतिक चर्चा के आधार पर ही उम्मीदवारों के नाम तय किए गए हैं ।वहीं मौजूदा करीब 80 सांसदो के टिकट पर संकट मंडरा रहा है । दरअसल इस बार नमो ऐप पर जनता के फीडबैक को पूरा ध्यान रखा जा रहा है । नमो ऐप से मिली प्रतिक्रया के बलबूते सांसदो का भविष्य दांव पर है । बता दें कि देर रात 3:30 बजे तक चली चुनावी बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद थे ।इसमें तमाम 543 लोकसभा सीटो पर चर्चा हुई । उधर चुनाव आयोग मार्च महीने की किसी भी तारीख को चुनाव का ऐलान कर सकता है ।

बहरहाल भाजपा की 155 कैंडीडेट की लिस्ट आज या कल आ सकती है । इनमें पीएम मोदी वाराणसी , गांधी नगर से अमित शाह, ग्वालियर से सिंधिया- सिंधिया, भोपाल-विदिशा से शिवराज सिंह चौहान, राजनाथ सिंह लखनऊ, स्मृति इरानी को अमेठी, धर्मेंद्र प्रधान को ओडिशा, के संबल पुर, ज्योतिरादित्य सिंधिया को ग्वालियर या गूना-शिवपुरी, संवितरित पात्रा को ओडिशा के पुरी से टिकट दिया जा सकता है ।

इसके अलावा भिवानी बल्लभगढ से भूपेंद्र यादव, डिबरूगढ से सरबानंद सोनोवाल, राजौरी अनंतनाग से रविंद्र रैना, कोटा से ओम बिडला, नार्थ इष्ट दिल्ली से मनोज तिवारी, पश्चिमी दिल्ली से प्रवेश वर्मा, और आसनसौल से टीएमसी के शत्रुघ्न सिंहा के खिलाफ भोजपुरी सिंगर-एक्टर पवन सिंह, को चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है । दिल्ली के भाजपा हेड क्वार्टर में देर रात तक चली मिटिंग में 17 राज्यों की 155 लोकसभा सीटो पर मंथन हुआ ।

हरियाणा चंडीगढ सीट से फिलहाल किरण खेर की जगह कंगना रनौत या क्रिकेटर युवराज सिंह को मैदान में उतार सकती है । हरियाणा प्रदेश की 10 लोकसभा सीट हैं ।इनमें 5-6 सीटों पर कैंडिडेटों की घोषणा हो सकती है । इस बैठक में सीएम मनोहर खट्टर, प्रभारी विप्लव देब, के साथ अध्यक्ष नायब सैनी मौजूद थे । हिमाचल में बीजेपी घमासान के चलते वेट एंड वॉच की मुद्रा में है । वहीं आसाम की 14 लोकसभा सीटो पर 11 पर भाजपा और 3 पर सहयोगी उतरेंगे ।आंध्रा और तमिलनाडू में अभी भी गठबंधन पर चर्चा चल रही है । उधर केरल और तेलांगाना- में सीटो को लेकर कोई चकल्स नही है । बीजेपी की महिलाओ के मामले में 33% से ज्यादा को उतारने की कवायद है । इस हिसाब से 70 महिलाओ को टिकट मिल सकता है । ज्यादातर नए चेहरों को टिकट देने की ओर टार्गेट है ।

कर्नाटक स्टेनलेस स्टील ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की सेमिनार आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

बेंगलूरूः कर्नाटक स्टेनलेस स्टील ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बेंगलूर के बेनर तले, इंकम टैक्स का नया रूल 43बी (एच) पर, प्रसन्ना गंगाधरा समुदाय भवन नगरथपेट बेंगलूर पर आम सभा व सेमिनार का आयोजन रखा गया । अध्यक्ष कलाराम चौधरी ने बताया कि इस सेमिनार मे शहर के जाने माने सीए नवीन खारीवाल (एच सी खिंचा), ललित सुराणा और पुषपराज चौपडा साहब ने सेमिनार का सफल क्रियान्वयन किया । उन्होने कहा कि एमएसएमई उद्यम रजिस्टर्ड मैन्युफैक्चरर्स माइक्रो और स्माल इंडस्ट्रीज से खरीदे गए माल या सर्विस का पेमेंट को तय समय सीमा में करना जरूरी है । इस सेमिनार में पहाड़सिंह राजपुरोहित (एफकेसीसी) प्रकाश पिरगल (नेशनल ट्रेडर्स वेल्फेयर बोर्ड), प्रकाश मांडोत (एफकेटीए) ने

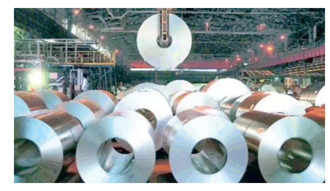

भी संबोधित किया और बताया कि समस्त भारत से तमाम एसोसिएशन ट्रेडर्स के लिए बेहतर प्रयास कर रहे है लेकिन फिलहाल हमे कोई सफलता नही मिलि है लेकिन उम्मीद है । इस शुभ अवसर पर भीमाराम पटेल, किशोर सोलंकी, कलाराम चौधरी, किरण भंसाली, खीमाराम चौधरी, कांतिलाल कटारिया, चुनाराम दहीमा, चंपालाल जैन, अदराराम पुरोहित, मोतीलाल चौधरी, पुखराज चौधरी, गोपाल देवासी, मनोजजी जैन, विशाल सोढा, गिरधारीलाल पुरोहित एवं स्टील एसोसिएशन के समस्त व्यापारी बंधु उपस्थित रहे ।

भुवनेश्वर में बहुप्रतीक्षित नए बस टर्मिनल का आज उद्घाटन हुआ

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर : बाबा साहेब भीम राव अम्वेडकर बस टर्मिनल का आज हुआ शुभारंभ ।इस अत्याधुनिक बस टर्मिनल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने किये । प्रवेश और निकास बस भोजन केंद्र सभी शीशे के हैं । यहां यात्रियों को एयरपोर्ट जैसा अनुभव होगा । नया ओडिशा अंतरराज्यीय बरमूडा बस टर्मिनल बन रहा है ।बीएसएबीटी बरमूडा के हर कोने में एक उच्च तकनीक स्थापना है । फूड कोर्ट के साथ-साथ इलेक्ट्रिक सीढ़ियां, लिफ्ट भी लगाई गई हैं । यात्रियों को बस से जुड़ी जानकारी अत्याधुनिक एलईडी स्क्रीन पर मिलेगी । इस एलईडी स्क्रीन पर गांव से लेकर पंचायत, ब्लॉक और सदर महकुमा तक बस की सारी जानकारी दी जाएगी । एक मंजिल से दूसरी मंजिल तक आसानी से जाने के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर की व्यवस्था की गई है । यात्रियों के लिए वातानुकूलित कमरे उपलब्ध हैं । यात्रियों को एक ही छत के नीचे फ्रंट ऑफिस, मेडिकल, एटीएम, फूड सेंटर जैसी सेवाएं मिलेंगी ।

बस टर्मिनल पर यात्रियों की सुविधा के लिए आहार प्लस सेंटर बनाया गया है । यह सामान्य भोजन केंद्रों की तुलना में काफी बेहतर गुणवत्ता वाला होगा । इसी तरह वातानुकूलित कमरों में सितारा होटलों जैसी सुविधाएं होंगी । इसके साथ ही यात्री मिशन शक्ति कैफे, ओरमास और मिलेट कैफे में हस्तनिर्मित भोजन का आनंद ले सकेंगे । इसके अलावा, प्रतीक्षारत बच्चों के लिए एक खेल हॉल है जबकि बाबा साहेब भीम राव अम्वेडकर की एक नक्काशीदार मूर्ति है । दीवारों में कला संस्कृति की झलक देखने को मिलती है ।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए पुलिस कोष बनाया गया है । बेसमेंट में 115 कार पार्किंग स्थान आरक्षित हैं । टर्मिनल में 50 बसें और 2000 बसों के लिए पार्किंग की जगह है । सिटी बसों के लिए 5 सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है । दोपहिया वाहन पार्किंग के लिए भी एक समर्पित स्थान है । बस के प्रवेश और निकास द्वार अलग-अलग सड़कों से अलग किए गए हैं । पिछले महीने के दूसरे सप्ताह में 5टी के चेयरमैन कार्तिक पांडियन ने भुवनेश्वर बस टर्मिनल के नवीनीकरण कार्य की समीक्षा की थी । उन्होंने फरवरी तक काम पूरा करने का आदेश दिया । इस बस टर्मिनल का कार्य निर्देशानुसार समय पर पूरा कर लिया गया है । बस टर्मिनल बीडीए द्वारा 15 एकड़ से अधिक भूमि पर बनाया गया है ।

ED किसी को भी बुला सकती है , उसे समन का सम्मान करना ही होगा; सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

शीर्ष न्यायालय में मद्रास हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ ईडी ने याचिका दाखिल की थी । हाईकोर्ट ने कथित रेत खनन घोटाला में तमिलनाडु के के 5 डीएम को जारी समन पर रोक लगा दी थी ।

परिवहन विशेष न्यूज

ई.डी. यानी प्रवर्तन निदेशालय के संज्ञान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ी टिप्पणी की है । न्यायालय का कहना है कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत अगर किसी को तलब किया जाता है, तो उसे समन का सम्मान करना होगा और उसका जवाब भी देना होगा । खास बात है कि कोर्ट की तरफ से यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लगातार 8 समन छोड़े जाने की चर्चाएं हैं ।

शीर्ष न्यायालय में मद्रास हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ ईडी ने याचिका दाखिल की थी । हाईकोर्ट ने कथित रेत खनन घोटाला में तमिलनाडु के के 5 डीएम को जारी समन पर रोक लगा दी थी । तमिलनाडु सरकार ने ईडी की तरफ से जारी समन को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसपर बाद में डिवीजन बेंच ने रोक लगा दी थी ।

अब ED ने अंतरिम आदेश के खिलाफ शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था । सुप्रीम कोर्ट ने रोक को हटा दिया और जिला कलेक्टरों को ईडी के सामने पेश होने के आदेश दिए हैं ।

क्या बोला सुप्रीम कोर्ट

मामले की सुनवाई जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच कर रही थी । बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बेंच ने कहा, 'यह देखा गया है कि अधिनियम के तहत जारी कार्यवाही के दौरान ईडी किसी भी व्यक्ति को सबूत पेश करने या उपस्थित होने के लिए तलब कर सकती है ।

आगे कहा गया, 'जिस किसी को भी समन जारी होते हैं, उनसे उम्मीद की जाती है कि वह ईडी के समन का सम्मान करेंगे और उनका जवाब देंगे ।'

पीएमएलए की धारा 50 के तहत ईडी जिस व्यक्ति की मौजूदगी को जांच के दौरान जरूरी समझती है, उसे समन जारी कर सकती है ।

कुमावत समाज ट्रस्ट मयलसंद्रा राधा कृष्णा मंदिर की नई कार्यकारिणी का गठन

बेंगलूरू(श्री कुमावत समाज ट्रस्ट मयलसंद्रा बेंगलूरू दक्षिण राधा कृष्णा एवं आशापुरा मंदिर की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया । सभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलित से हुआ । आम सभा में नवीन कार्यकारिणी गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश गुगवान उपाध्यक्ष भंवर लाल भदाणिया, सहउपाध्यक्ष घेवरचंद चांदोरा, सचिव नारायण लाल गुगवान, सहासचिव -मानक चंद जी बाकरेचा कोषाध्यक्ष चुतराराम ईटाड़ा, सह कोषाध्यक्ष मोतीलाल गुड़िया, सलाहकार हस्तीमल घोड़ावड़, प्रचार मंत्री ओमप्रकाश दुबलदिया, सहप्रचार मंत्री मनोहर लाल नादिवाल, सुखलाल गुगवान, नारायण लाल भदानिया को मनोनीत किया गया । इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष गोवर्धन लाल दुबलदिया ने नवीन कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी और उन्होंने कहा की में आशा करता हु जरूर आप समाज कल्याण एवं हितेषी कार्य करेंगे । पूर्व सचिव कानाराम दुबलदिया ने शुभकामनाएं दी । अध्यक्ष ओमप्रकाश गुगवान ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आप समाज में शिक्षा संस्कार एवं संगठन के लिए आप जरूर कर्तव्य से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे । सचिव नारायणलाल गुणवान ने कहा कि जिनको भी पद मिला है आप उन पद की गरिमा बनाए रखेंगे एवं सबका साथ सबका विकास के मंत्र से आप समाज का विकास जरूर करेंगे ।

बेहतर ट्रैफिक, बेहतर भोपाल

भोपाल । मेट्रो रेल परियोजना के तहत हबीबगंज नाका पर गर्डर लांचर का कार्य किया जाना है आम जन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उक्त कार्य के दौरान हबीबगंज नाका से आरआरएल तिराहा तक रोड़ बद कर यातायात का डायवर्सन किया जाना आवश्यक है । जिसकी सूचना निर्माण कंपनी द्वारा यातायात पुलिस को दी गई हैं ।

सुरक्षित यातायात के दृष्टिकोण से उक्त निर्माण कार्य के दौरान दिनांक 02.03.2024 से 28.03.2024 तक यातायात डायवर्सन प्लान निम्नानुसार रहेगा ।

01. हबीबगंज नाका से आरआरएल तिराहा तक मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा ।

- आईएसबीटी/रानी कमलापति स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-5 की ओर से होशंगाबाद रोड़/11मील की ओर जाने वाले वाहन आईएसबीटी, सांची बूथ केन्द्र, कस्तुरबा हॉस्पीटल, डीआरएम ऑफिस, शक्ति नगर चैराहा, बीएसएनएल तिराहा, आरआरएल तिराहा से होकर होशंगाबाद रोड़/11मील की ओर जा सकेंगे ।
- इसी प्रकार होशंगाबाद रोड़/11मील से आईएसबीटी की ओर जाने वाले वाहन आरआरएल तिराहा, बीएसएनएल तिराहा, शक्ति नगर चैराहा, डीआरएम ऑफिस, कस्तुरबा हॉस्पीटल, सांची बूथ केन्द्र होकर आईएसबीटी/रानी कमलापति स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-5 की ओर जा सकेंगे ।
- यात्री बसे- 11 मील व होशंगाबाद से आईएसबीटी की ओर आने वाली यात्री बसे 11 मील होकर पटेल नगर बायपास, आनन्द नगर, आईटीआई तिराहा से केरीयर कॉलेज, अन्नानंगर होकर आईएसबीटी की ओर जा सकेगी ।
- आम जनता से अनुरोध है कि यातायात के नियमों का पालन करें एवं परिवर्तित मार्ग का उपयोग कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात हेल्पलाईन फोन नंबर-0755-2677340, 2443850 पर सम्पर्क करें ।

सात वर्ष से कम सजा वाले अपराध में आरोपी की गिरफ्तारी अवैध: अदालत ने बिना जमानत प्रार्थना पत्र आरोपी को किया रिहा

सात वर्ष से कम सजा वाले अपराध में आरोपी की गिरफ्तारी अवैध है । अदालत ने बिना जमानत प्रार्थना पत्र 20 हजार रुपये के मुचलके पर आरोपी को रिहा कर दिया । यह घटना थाना न्यू आगरा में दर्ज मामले से संबंधित है ।

आगराः थाना न्यू आगरा में दर्ज मामले में आरोपी छितिज गुप्ता को अपराध संख्या 604/2015 धारा 498 ए, 420, 120 बी तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था । विवेचक ने 14 दिवस का न्यायिक रिमांड लेने के लिए अदालत में अर्जी दी ।

आरोपी के अधिवक्ता विमल पाल सिंह बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सात वर्ष से कम सजा वाले अपराध में आरोपी की गिरफ्तारी अवैध है । उन्होंने न्यायिक रिमांड अस्वीकृत करने का अदालत से आग्रह किया ।

प्रभारी सीजेएम ने आरोपी के अधिवक्ता के तर्क को स्वीकार करते हुए आरोपी का न्यायिक रिमांड अस्वीकृत कर दिया । अदालत ने 20 हजार रुपये के मुचलके पर आरोपी को रिहा कर दिया ।

पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय नशा -तस्करी और अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर (साहिल बेरी) 5 किलो हेरोइन, 4 हथियारों सहित तीन गिरफ्तारः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशानिर्देशों के अनुसार पंजाब को एक सुरक्षित राज्य बनाने के अभियान के दौरान, कमिश्नरेट अमृतसर पुलिस ने अमेरिका स्थित जसमीत उर्फ लकी का समर्थन किया । वेले ने एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-तस्करी कार्टेल का भंडाफोड़ किया और एक ड्रग तस्कर को पकड़ लिया । पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरुवार को यहां कहा कि उनके कब्जे से 5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है । गिरफ्तार ड्रग तस्कर की पहचान गुरप्रीत कुमार उर्फ दीप (27) निवासी न्यू शांति नगर भजवाड़ा होशियारपुर के रूप में हुई है । पुलिस टीमों ने हेरोइन सप्लाई के लिए इस्तेमाल की जाने वाली टाटा एसीई (छोटा हाथी) गाड़ी (पीबी07-एएल-9743) भी जब्त कर ली है । डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि एक अलग मामले में, कमिश्नरेट अमृतसर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार मैगजीन और 16 जिंदा कारतूस सहित चार देशी पिस्तौल बरामद किए और एक एमपी आधारित हथियार आपूर्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया । . गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान हरमिंदरपाल सिंह (23) और जतिंदरपाल सिंह उर्फ बाबा (20) के रूप में हुई है, दोनों गुरु नानक कॉलोनी, अमृतसर के निवासी हैं । पुलिस टीमों ने उसका एक्टिवा स्कूटर (पीबी02-ईएस-0344) भी जब्त कर लिया है, जिस पर वह हथियारों की खेप पहुंचाने जा रहा था । इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि डीसीपी इन्वेस्टिगेशन हरप्रीत सिंह मंदर और डीसीपी सिटी डॉ. प्रज्ञा जैन के नेतृत्व में विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई करते हुए एडीसीपी इन्वेस्टिगेशन नवजोत सिंह, एसीपी इन्वेस्टिगेशन कुलदीप सिंह और डी.सी.पी. सीआईए स्टाफ-3 के प्रभारी इंस्पेक्टर बरिंदरजीत सिंह ने गांव काजीकोट से चबल रोड पर जाकर आरोपी गुरप्रीत कुमार उर्फ दीप को गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किए गए कथित आरोपी गुरप्रीत कुमार ने खुलासा किया कि वह अमेरिका स्थित जसमीत उर्फ लकी के कहने पर सीमा पार से हेरोइन की खेप ले रहा था । इससे पहले अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने जसमीत उर्फ लक्की मॉड्यूल के पांच ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था और उनके कब्जे से 6.2 किलोग्राम हेरोइन, एक कार, 3.80 लाख रुपये की ड्रग मनी और 12 सिम बरामद किए थे ।

यूपीएमआरसी ने किया बड़ा बदलाव : आगरा मेट्रो स्टेशन को कैप्टेन शहीद शुभम गुप्ता के नाम से जाना जाएगा

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ताश नगरी को मेट्रो की सौगात मार्च के पहले सप्ताह में दे सकते हैं । इसके लिए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एवं आगरा प्रशासन द्वारा तैयारियां भी की जा रही हैं । आगरा मेट्रो के संचालन से पहले यूपीएमआरसी ने बड़ा बदलाव किया है....

उत्तर प्रदेश सरकार बड़े शहरों को मेट्रो की सौगात दे रही है । लखनऊ कानपुर गाजियाबाद नोएडा के बाद अब आगरा में भी मेट्रो दौड़ती हुई दिखाई देगी । आगरा मेट्रो का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी मार्च के पहले सप्ताह में कभी भी कर सकते हैं । मेट्रो के उद्घाटन से पूर्व उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने फतेहाबाद रोड स्थित बसई मेट्रो स्टेशन का नाम परिवर्तित कर दिया गया है । अब यहां मेट्रो स्टेशन कप्तान शाहीद शुभम गुप्ता के नाम से जाना जाएगा ।

बताते चलें कि 22 नवंबर 2023 को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो अफसर और दो जवान शहीद हो गए । इनमें आगरा के डीजीसी क्राइम बसंत कुमार गुप्ता के बेटा कैप्टन शुभम गुप्ता भी शहीद हुए थे

कैप्टन शुभम गुप्ता का चयन 2015 में आर्मी में हुआ था । कैप्टन शुभम गुप्ता को 2018 में कमीशन मिला । कैप्टन नाइन पैरा में थे । धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया गया था । इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी । यहां दो आतंकियों के छिपे होने की खबर थी । इसी हमले में आगरा के कैप्टन शुभम शहीद हो गए थे ।

बताते चलें कि आगरा में मेट्रो का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों बहुत जल्द होने जा रहा है । संभावना व्यक्ति की जा रही है कि मार्च के पहले सप्ताह में मेट्रो की सौगात आगरा को मिल सकती है । इसी का एक मेट्रो स्टेशन जो कैप्टन शहीद शुभम गुप्ता के घर के पास मौजूद है, जिसका नाम बसई मेट्रो स्टेशन है, अब उसका नाम बदलकर कैप्टन शहीद शुभम गुप्ता कर दिया गया है । इसके लिए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा शहरी एवं आवास विभाग को पत्र भी प्रेषित कर दिया है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023